रायपुर, जबलपुर, कटनी, भोपाल, इंदौर, मंडला, मुंबई, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

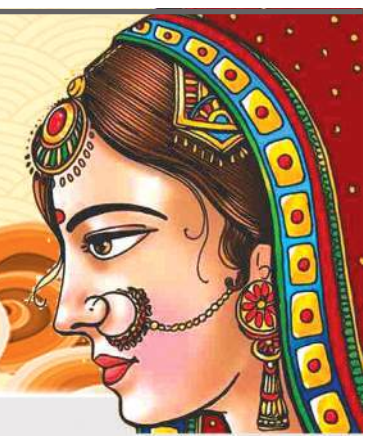
yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-1 अंक-168 ● रायपुर ● शनिवार, 7 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 4 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083

रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं



बेंगलुरू में खौफनाक सामूहिक हत्याकांड

कैब ड्राइवर ने पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों को सिलबट्टे से मार डाला



बेंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है। यहां 45 वर्षीय कैब ड्राइवर शेखर उर्फ इंदुशेखर पर अपनी पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर वैवाहिक विवाद और पत्नी के मायके पक्ष की दखलंदाजी से नाराज होकर इस खौफनाक वारदात की साजिश रची। आरोप है कि उसने दो दिनों के भीतर राजाजीनगर स्थित अपने घर में एक-एक कर सात लोगों को बुलाया और सिलबट्टे के पत्थर से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद कुछ शवों को अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, इस सामूहिक हत्याकांड में आरोपी की पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, परिवार की बहुएं दिव्या और नलिनी तथा सात वर्षीय पुनीत की मौत हुई है। एक मासूम बच्चे की भी हत्या किए जाने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पुनीत का शव चिक्कबल्लापुर जिले में नंदी हिल्स के पास बरामद किया गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने वारदात के बाद सबूत मिटाने और शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश की। जांच में सामने आया है कि शेखर और सुनीता की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, सुनीता के परिवार के लोग हस्तक्षेप करते थे और उसका पक्ष लेते थे। पुलिस को संदेह है कि शेखर इसी बात को लेकर नाराज था और उसे लगता था कि पत्नी के मायके वाले उसकी पारिवारिक जिंदगी में दखल दे रहे हैं। इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। हालांकि, हत्याओं के पीछे की वास्तविक वजह और साजिश की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

करंट और ट्रक हादसों में पांच की मौत

दो परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

बलौदाबाजार में बालकनी की ग्रिल में उतरा करंट, कारोबारी पिता-बेटे की मौत, पत्नी गंभीर



बलौदाबाजार, यशभारत। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में शुक्रवार को दो अलग-अलग दर्दनाक हादसों ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। पहले हादसे में घर की बालकनी की लोहे की ग्रिल में करंट फैलने से कपड़ा कारोबारी पिता और उनके बेटे की मौत हो गई, जबकि दोनों को बचाने पहुंची पत्नी गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। वहीं, दूसरे हादसे में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार पिता और उनके दो बच्चों की जान चली गई। तीनों पोस्ट ऑफिस से पैसे निकालकर गांव लौट रहे थे। उधर, बेमेतरा में दो कारों और ट्रैक्टर के बीच हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।



बालकनी की ग्रिल छूते ही चिपके पिता-बेटे

बलौदाबाजार के नेहरू चौक स्थित एक मकान में शुक्रवार सुबह यह दर्दनाक हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, कपड़ा कारोबारी राकेश गुप्ता (45) सुबह नींद से जागने के बाद बालकनी में पहुंचे। वहां लगी लोहे की ग्रिल को छूते ही वे करंट की चपेट में आ गए और ग्रिल से चिपक गए। पिता को करंट से चिपका देखकर उनका 24 वर्षीय बेटा ओम गुप्ता उन्हें बचाने दौड़ा, लेकिन वह भी बिजली के संपर्क में आ गया। दोनों को बचाने पहुंची राकेश की पत्नी वर्षा गुप्ता (45) भी करंट की चपेट में आकर दूर जा गिरीं। आसपास के लोगों की मदद से तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने राकेश और ओम को मृत घोषित कर दिया। वर्षा की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। शुरुआती जांच में घर के पास से गुजर रहे 11 हजार केवी के हाईटेंशन तार से करंट फैलने की आशंका जताई गई है। पुलिस शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच कर रही है। सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



ट्रक की टक्कर से पिता और दो बच्चों की मौत

दूसरा हादसा बलौदाबाजार के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में हुआ। ग्राम खैरताल निवासी रामचंद्र ध्रुव (39) अपने बच्चों निहारिका (16) और टोमेश (12) के साथ बाइक से बलौदाबाजार आए थे। शुक्रवार दोपहर पोस्ट ऑफिस से पैसे निकालकर तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता और दोनों बच्चों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी लखेश केवट के मुताबिक, मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बेमेतरा में दो कार और ट्रैक्टर भिड़े दो की मौत

इधर, बेमेतरा जिले के वार्ड नंबर-दो स्थित सतनाम चौक पर शुक्रवार सुबह करीब चार बजे दो कारों और एक ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कारों में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए दरवाजे तोड़ने पड़े। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना बेमेतरा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

झारखंड में बेकाबू ट्रेलर का तांडव

9 लोगों को रौंदा, 7 की मौत



खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई, जबकि दूसरे परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्रा की कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसा था। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ लोग झाड़ियों में फंसे युवक को निकालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी उर्फ जवंती, बेटी अंजली कुमारी और एक साल के नाती की मौत हो गई। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल खूंटी में इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरे परिवार के राजेश की मां कर्मी लोहराइन, पत्नी फगन संगा और बेटियां सुभानी व सोनी कुमारी की भी हादसे में जान चली गई। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी के लिए गुजरात गए थे। उन्हें हादसे की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर चालक और खलासी की तलाश की जा रही है।

मुंबई हाईकोर्ट को फिर उड़ाने की धमकी, अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा का भी जिक्र

मुंबई,यशभारत। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बार फिर बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को धमकी भरा ईमेल भेजा गया, जिसमें अदालत परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि ईमेल में बॉम्बे हाईकोर्ट के अलावा बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले जलसा का भी उल्लेख किया गया है। धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई और संबंधित स्थानों पर जांच शुरू कर दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में मुंबई के कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। इनमें बॉम्बे हाईकोर्ट, बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और



अमिताभ बच्चन का बंगला जलसा शामिल हैं। ईमेल सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने संभावित खतरे को देखते हुए जांच की, लेकिन शुरुआती तलाशी में किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री के मिलने की सूचना नहीं है। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए ईमेल के स्रोत और तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि धमकी के पीछे किसी व्यक्ति की शरारत है या इसके पीछे कोई गंभीर साजिश है।गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा का नाम धमकी में आने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को मिले धमकी भरे ईमेल में भी अमिताभ बच्चन के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम स्थल महालक्ष्मी रेसकोर्स का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा 2 नवंबर को महाराष्ट्र के ठाणे, पुणे, हिंगोली, बीड और नांदेड़ सहित कई जिलों के न्यायालय परिसरों को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। तलाशी के दौरान वहां भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी।

कर्मभूमि एक्सप्रेस की बोगियों में लगी आग, पैंट्री से शुरू हुई लपटें, यात्रियों में अफरा-तफरी



पटियाला,यशभारत। पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना पंजाब के पटियाला जिले में राजपुरा स्टेशन के पास हुई। आग ट्रेन की पैंट्री से शुरू होकर कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई। धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल और संबंधित टीमों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कर्मभूमि एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर राजपुरा स्टेशन पहुंची थी। इसी दौरान ट्रेन में आग लगने की घटना सामने आई। बताया गया कि आग सबसे पहले पैंट्री कार में लगी और देखते ही देखते इसकी लपटें आसपास की बोगियों तक पहुंच गईं। आग और धुएं को देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने तत्काल बाहर निकलना शुरू कर दिया। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में ट्रेन के आसपास धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। पटियाला के उपायुक्त हिमांशु अग्रवाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आग पैंट्री कार से शुरू हुई थी और कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को नाम जुड़वाने का एक और मौका, सात राज्यों के वोटरों को राहत

नई दिल्ली, यशभारत। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों को एक और अवसर देने का फैसला किया है। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नागालैंड के ऐसे मतदाता अब दोबारा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे, जिनके नाम पहले वोटर लिस्ट में दर्ज थे, लेकिन एसआईआर के दौरान उनके गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वापस नहीं मिलने के कारण ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए। चुनाव आयोग का यह फैसला उन लोगों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे पंजीकरण (एएसडीडी) की श्रेणी में रखकर सूची से बाहर किया गया है। आयोग के निर्देश के मुताबिक, जिन मतदाताओं के घर गणना प्रपत्र पहुंचाए गए थे, लेकिन किसी कारणवश वे प्रपत्र जमा नहीं कर पाए, उन्हें अब दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के दौरान अपना नाम जुड़वाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए संबंधित मतदाता को अपनी पहचान और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था। ऐसे नए मतदाता, जिनका नाम पहले कभी वोटर लिस्ट में नहीं रहा, इस विशेष राहत के दायरे में नहीं आएंगे। उन्हें निर्धारित सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। साथ ही एक ही व्यक्ति का नाम दो स्थानों पर दर्ज होने से रोकने के लिए दोहरे पंजीकरण पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। चुनाव आयोग का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि एसआईआर के दौरान कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होने की शिकायतें सामने आई थीं। आरोप लगे थे कि जीवित लोगों को मृत, दूसरे स्थान पर नहीं गए लोगों को स्थानांतरित और अपने घरों में मौजूद मतदाताओं को अनुपस्थित दर्ज कर दिया गया। इन शिकायतों के बाद मतदाता सूची की शुद्धता के साथ पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार सुरक्षित रखने का सवाल भी उठने लगा था।दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्टूबर को जल्दबाजी पर सवाल उठाए थे। इसके अगले ही दिन चुनाव आयोग ने समयसीमा बढ़ाने का फैसला किया था। दिल्ली में एसआईआर से पहले करीब 1.45 करोड़ मतदाता दर्ज थे, जबकि 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में लगभग 97.53 लाख नाम ही शामिल किए गए। इस तरह करीब 47.57 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची से बाहर हो गए थे।

सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणी से भड़का सुप्रीम कोर्ट, केरल कांग्रेस को नोटिस; पूछा- अवमानना की कार्रवाई क्यों न हो?

नई दिल्ली। यशभारत। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केरल कांग्रेस के नेताओं को कड़ी फटकार लगाई है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सहित पार्टी के पदाधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायालय की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।यह विवाद कांग्रेस की केरल इकाई के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रकाशित एक पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को निशाना बनाया गया था। पोस्ट को लेकर विवाद बढ़ने के बाद पार्टी ने उसे हटा दिया। मामले में अधिवक्ता विनीत जिंदल की ओर से याचिका दायर कर सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया था कि वह कांग्रेस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर की गई टिप्पणी का स्वत-संज्ञान लेकर कार्रवाई करे।शुक्रवार को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान केरल कांग्रेस की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि विवादित पोस्ट पार्टी के पदाधिकारियों की मंजूरी के बिना अपलोड की गई थी। जानकारी सामने आने के बाद पोस्ट को हटा दिया गया है और पार्टी की ओर से बिना शर्त माफी भी मांग ली गई है।

धनतेरस पर सोने की चमक फीकी

22 फीसदी टूटे दाम चांदी में भी 56 प्रतिशत की गिरावट



नई दिल्ली,यशभारत। धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर सर्राफा बाजार में खास उत्साह रहता है। भारतीय परिवारों में इस दिन कीमती धातुओं की खरीदारी को समृद्धि और मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। हालांकि धनतेरस 2026 पर बाजार की तस्वीर कुछ अलग है। पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज कराने वाले सोने और चांदी की कीमतों में इस साल बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2026 में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचने के बाद सोना 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह चांदी भी अपने जनवरी के उच्चतम स्तर से 56 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ गई है। कीमतों में आई इस गिरावट ने उन खरीदारों और निवेशकों को राहत दी है, जो ऊंचे दामों के कारण अब तक खरीदारी से दूरी बनाए हुए थे।धनतेरस 2021 से धनतेरस 2026 के बीच सोने की कीमतों में करीब 192 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तेज उछाल के बाद आई गिरावट ने बाजार में निवेश की रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सवाल यह है कि मौजूदा कीमतों पर सोना खरीदना कितना फायदेमंद है और निवेश के लिए आभूषण, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में से कौन-सा विकल्प बेहतर साबित हो सकता है।धनतेरस के कारोबारी दिन सुबह बाजार खुलने के साथ ही कीमती धातुओं में नरमी का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,820 रुपये यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। वहीं चांदी की कीमत में 2,680 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 1,84,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

ओबीसी क्रीमी लेयरः माता-पिता की सैलरी अकेला आधार नहींः सुको



नई दिल्ली, एजेंसी। ओबीसी आरक्षण के तहत क्रीमी लेयर तय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी अभ्यर्थी को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण से बाहर करने के लिए उसके माता-पिता की केवल वेतन या आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। क्रीमी लेयर निर्धारित करते समय माता-पिता की सामाजिक स्थिति, उनके पद और पद की प्रकृति को भी ध्यान में रखना जरूरी है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की संशोधन याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले का सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, जिनके माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों और निजी संस्थानों में कार्यरत हैं।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से पीएसयू और निजी क्षेत्र की नौकरियों के पदों की सरकारी पदों के समकक्ष स्थिति निर्धारित करने तथा नई व्यवस्था लागू करने के लिए दो साल का अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि, अदालत ने सरकार की इस मांग को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने फैसले का अनुपालन करने के लिए केवल आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला सिविल सेवा परीक्षा में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर का लाभ पाने वाले कुछ अभ्यर्थियों से जुड़ा है। इन अभ्यर्थियों के माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों और इसी तरह के संस्थानों में कार्यरत थे। सरकार ने उनके माता-पिता के वेतन को आय में शामिल करते हुए उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में मान लिया था, जिसके कारण उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। इसके बाद अभ्यर्थियों ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में याचिका दायर कर नॉन-क्रीमी लेयर के आधार पर नियुक्ति देने की मांग की थी। अधिकरण ने उनके पक्ष में आदेश जारी किया था।विवाद की जड़ केंद्र सरकार का वर्ष 1993 का कार्यालय ज्ञापन है, जिसमें ओबीसी क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसमें वेतन और कृषि आय को आय सीमा की गणना में शामिल नहीं करने का प्रावधान था। हालांकि, 14 अक्टूबर 2004 को जारी स्पष्टीकरण में पीएसयू और निजी क्षेत्र में कार्यरत माता-पिता के वेतन और आय को भी गणना में शामिल करने की बात कही गई।

तीन पड़ोसी देशों के छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए भारत में अब वीजा अनिवार्य, पहले मिली थी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी नियमों में बदलाव किया है। अब इन देशों से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने के लिए उचित श्रेणी का वीजा लेना अनिवार्य होगा। पहले इन्हें पासपोर्ट और वीजा की शर्तों से छूट दी गई थी।केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए थे। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके पास भारत आने के समय वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे या जिनके दस्तावेज बाद में समाप्त हो गए। सितंबर 2025



में जारी आदेश के तहत इन छह समुदायों को पासपोर्ट और वीजा संबंधी शर्तों से राहत दी गई थी। नए आदेश के बाद भारत में उनके प्रवास के लिए निर्धारित श्रेणी का वीजा जरूरी होगा।

सीएए के अनुरूप किए गए नियम

गृह मंत्रालय ने नए बदलावों के जरिए आव्रजन नियमों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), 2019 के प्रावधानों के अनुरूप बनाने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच आवाजाही के नियमों को भी सख्त किया है। अब भारत से नेपाल या भूटान जाने वाले और वहां से भारत आने वाले नागरिकों को सरकार के निर्धारित वीजा मैनुअल के अनुसार मान्य पहचान दस्तावेज दिखाने होंगे।नए प्रावधानों के तहत यदि कोई भारतीय नागरिक नेपाल या भूटान के रास्ते किसी तीसरे देश की यात्रा करता है, तो उसके पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा। उसे निर्धारित आव्रजन चेकपॉइंट से ही आवागमन करना होगा। इसी तरह नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी यदि वे भारत, नेपाल और भूटान के अलावा किसी अन्य देश की यात्रा कर रहे हैं अथवा चीन, पाकिस्तान, हांगकांग या मकाऊ के रास्ते भारत आ रहे हैं, तो वैध पासपोर्ट और वीजा प्रस्तुत करना होगा।

शेयर बाजार में जोरदार उछाल, सेंसेक्स 81 हजार के पार निवेशकों की संपत्ति 30 लाख करोड़ बढ़ी



मुंबई, यशभारत। दीपावली से पहले धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 1,718 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई और यह 81 हजार के स्तर को पार कर गया। वहीं निफ्टी भी करीब 494 अंकों की बढ़त के साथ 25 हजार के ऊपर पहुंच गया।

बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों के चेहरे खिल उठे।कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,718.01 अंक यानी 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,028.02 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 493.75 अंक यानी 2.01 प्रतिशत चढ़कर 25,030.35 अंक पर पहुंच गया। खास बात यह रही कि बाजार में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर करीब 503 लाख करोड़ रुपये हो गया। 28 अक्टूबर को यह लगभग 473 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह कुछ ही कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक



तीन घंटे की मशक्क त के बाद आग पर पाया काबू, दो से तीन चारपहिया वाहन भी जले

यश भारत

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के नंदिनी रोड स्थित करुणा अस्पताल के पीछे संचालित जगदंबा फोम फर्नीचर फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे में फैक्ट्री में रखे गद्दे, फोम, लकड़ी और अन्य कच्चा माल जलकर खाक हो गया। परिसर में खड़ी दो से तीन चारपहिया गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गईं। सूचना मिलते ही जामुल पुलिस और जिला दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए भिलाई स्टील प्लांट से भी दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। फोम और ज्वलनशील सामग्री के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। दमकलकर्मियों को पानी अंदर पहुंचाने के लिए फैक्ट्री की पिछली दीवार तक तोड़नी पड़ी। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी विजय अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे। छावनी सीएसपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि पुलिस और दमकल विभाग ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया था। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

लगातार तीसरे साल बस्तर ओलंपिक को लेकर उत्साह, 6 लाख से ज्यादा खिलाड़ी मैदान में उतरने को तैयार



विकासखंड स्तर पर 4-6 नवम्बर, जिला स्तर पर 16-25 नवम्बर और संभाग स्तर पर 7-11 दिसम्बर तक प्रतियोगिताओं का आयोजन

बस्तरवासियों की रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने लगातार तीसरे वर्ष बस्तर ओलंपिक का आयोजन - अरुण साव

यश भारत

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किए जा रहे बस्तर ओलंपिक को लेकर पूरे बस्तर संभाग में खासा उत्साह है। इस बार छह लाख से अधिक खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेने के लिए अपना पंजीयन कराया है। खास बात यह है कि खेल के मैदान में उतरने के उत्साह में बस्तर की बेटियां और महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। कुल 6 लाख 492 पंजीकृत खिलाड़ियों में 3 लाख 83 हजार 094 महिलाएं और 2 लाख 18 हजार 398 पुरुष हैं।

बस्तर संभाग के सातों जिलों से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी ने आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया है। विकासखंड स्तर से शुरू होने वाली इन प्रतियोगिताओं के विजेता जिला और फिर संभाग स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा दिखाएंगे। विकासखंड स्तरीय मुकाबले 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक, जिला स्तरीय 16 नवम्बर से 25 नवम्बर तक और संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक प्रस्तावित हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण में रिकॉर्ड संख्या में पंजीयन के लिए बस्तरवासियों के उत्साह की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इसके पिछले दोनों आयोजनों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। शासन और लोगों के बीच प्रत्यक्ष संबंध मजबूत करने, क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को पहचानकर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने लगातार तीसरे वर्ष बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है।

कांकेर में सबसे ज्यादा पंजीयन

बस्तर ओलंपिक के लिए 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक खिलाड़ियों के पंजीयन किए गए हैं। इस दौरान संभाग के सातों जिलों से कुल 6 लाख 492 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 1 लाख 63 हजार 696 अधिक है। जिलावार आंकड़ों में कांकेर 1 लाख 23 हजार 216 पंजीयन के साथ सबसे आगे है। बस्तर जिले में 1 लाख 4 हजार 841, कोण्डागांव में 85 हजार 584, सुकमा में 80 हजार 313, दंतेवाड़ा में 80 हजार 175, नारायणपुर में 63 हजार 506 और बीजापुर में 62 हजार 857 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। बस्तर ओलंपिक को लेकर बस्तरवासियों, खासकर महिलाओं और युवाओं में अच्छा उत्साह है।

तीन स्तरों पर खेल कौशल दिखाने का मौका

बस्तर ओलंपिक में विकासखंड स्तर के विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे, जबकि जिला स्तर के विजेताओं को संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक जिले से 410 विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय आयोजन में प्रतिनिधित्व करेंगे। हॉकी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं सीधे जिला स्तर पर आयोजित की जाएंगी।

11 खेलों के होंगे मुकाबले

प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग के अंतर्गत 14 से 17 वर्ष के बालक-बालिकाएं और सीनियर वर्ग में बिना किसी आयु बंधन के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 11 खेल विधाओं में मुकाबले होंगे। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साकशी शामिल हैं।बस्तर ओलंपिक में नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए खिलाड़ियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी भागीदारी की विशेष व्यवस्था की गई है। ये प्रतिभागी विकासखंड और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं से गुजरे बिना सीधे संभाग स्तरीय आयोजन में हिस्सा लेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बस्तर के खेल प्रेमियों, अभिभावकों और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में खेल मैदानों में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

बच्चों को खुली छूट आधुनिक पेरेंटिंग नहीं, भविष्य के लिए खतरे की घंटी: चिरंजीव जैन

पैरेंटिंग सत्र में बच्चों और शिक्षकों को किया संबोधित, दुर्ग न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए बताया कर्त्तव्य और अधिकार के बीच का अंतर

यश भारत

भिलाई। दुर्ग सत्र न्यायालय के एक हालिया ऐतिहासिक फैसले ने प्रदेश भर के अभिभावकों को झकझोर कर रख दिया है। बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाने वाले नाबालिग की लापरवाही से हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत और दूसरे के घायल होने के मामले में अदालत ने न केवल किशोर को, बल्कि उसे मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने वाले पिता को भी तीन महीने के कारावास की सजा सुनाई है।



इस महत्वपूर्ण न्यायिक फैसले पर इस्पात नगरी भिलाई के जाने-माने शिक्षाविद और सर्टिफाइट पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने प्रतिक्रिया दी है। स्थानीय एक निजी स्कूल में बच्चों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने सुझाव देते हुए कहा है कि बच्चों की गलतियों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी सीधे तौर पर माता-पिता की भी होनी चाहिए।

आधुनिक परवरिश के नाम पर खतरनाक होती लापरवाही- चिरंजीव जैन ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में कई माता-पिता बच्चों की हर मांग को बिना सोचे-समझे पूरा करना, उन्हें कम उम्र में वाहन थमा देना, देर रात तक बाहर रहने की खुली छूट देना और उनकी गतिविधियों पर नजर न रखना %मॉडर्न पेरेंटिंग% (आधुनिक परवरिश) समझ बैठे हैं। कई बार तो अभिभावक बच्चों की गंभीर गलतियों को भी छिपाने और उन्हें बचाने का प्रयास करते हैं, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने स्पष्ट किया÷बच्चों से प्रेम करने का अर्थ उनकी हर गलती को नजरअंदाज करना बिल्कुल नहीं है। नाबालिग होने का मतलब यह कतई नहीं है कि उन्हें कानून और सामाजिक मर्यादाओं का पालन करने से छूट मिल जाए। बच्चों को स्वतंत्रता जरूर दीजिए, लेकिन उसके साथ अनुशासन और जिम्मेदारी भी सिखाइए।÷

अदालत का फैसला- माता-पिता के लिए एक कड़ा संदेश- दुर्ग सत्र न्यायालय के फैसले को मील का पत्थर बताते हुए पैरेंटिंग कोच चिरंजीव जैन ने कहा कि यह निर्णय इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि बच्चों को बिना अनुशासन के खुला छोड़ना समाज और खुद उस बच्चे के लिए कितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता बच्चे के पहले शिक्षक होते हैं। बच्चों को उनके अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों का बोध कराना, उन्हें अनुशासन सिखाना और गलतियों के परिणामों से परिचित कराना माता-पिता का प्राथमिक कर्तव्य है। जहाँ अभिभावकों की जानबूझकर की गई लापरवाही या कानून का उल्लंघन प्रमाणित होता है, वहाँ उनकी जवाबदेही तय होना न्यायसंगत है। सच्चा प्रेम बच्चों को बचाना नहीं, उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

बच्चों की हर जिद के आगे घुटने न टेकें- श्री जैन ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की हर जिद के आगे घुटने न टेकें। उन्होंने कहा÷अच्छी पेरेंटिंग का अर्थ बच्चों को हर सजा से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा जिम्मेदार नागरिक बनाना है कि वे कभी गलत रास्ते पर चलें ही नहीं। बच्चों की गलतियों को संरक्षण देना असल प्यार नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य के साथ एक प्रकार का अन्याय है।÷ उन्होंने बच्चों से बात करते हुए कर्त्तव्य और अधिकार की बीच के अंतर को भी समझाया। वहीं बच्चों के सवालों के जवाब भी दिए।

तुंहर टोकन ऐप में धान खरीदी के नए नियम लागू, रकबे के अनुसार मिलेंगे टोकन

जगदलपुर। धान खरीदी की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए तुंहर टोकन मोबाइल ऐप में नए नियम लागू किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत किसानों को उनकी कृषि भूमि के रकबे के अनुसार टोकन जारी किए जाएंगे।

वहीं, निर्धारित मात्रा से कम धान लाने पर शेष कोटे की पात्रता समाप्त हो जाएगी। नई व्यवस्था के अनुसार, दो एकड़ से कम रकबे वाले सीमांत किसानों को केवल एक टोकन मिलेगा। ऐसे किसानों को अपनी पूरी उपज एक ही बार में बेचनी होगी। दो से दस एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन जारी किए जाएंगे। वे अपनी उपज 50-50 प्रतिशत के अनुपात में दो बार बेच सकेंगे। इसी तरह दस एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम तीन टोकन मिलेंगे।

इनके माध्यम से किसान अपनी उपज क्रमशः 34, 33 और 33 प्रतिशत के अनुपात में बेच सकेंगे। टोकन प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। मोबाइल ऐप के माध्यम से रविवार से शुक्रवार तक सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक टोकन बुक किए जा सकेंगे। किसान आगामी 30 दिनों तक के लिए अग्रिम टोकन भी प्राप्त कर सकेंगे।

धान खरीदी के कुल टोकन में से 70 प्रतिशत मोबाइल ऐप के माध्यम से जारी होंगे, जबकि शेष 30 प्रतिशत टोकन उपार्जन समितियों के स्तर पर किसानों की सहमति से काटे जाएंगे।

किसानों से अपील की गई है कि वे टोकन बुक करने से पहले ऐप में दिए गए दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अपनी सुविधा के अनुसार धान बिक्री की योजना बनाएं।

देवपुर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनेगा शेड, मुख्य मार्ग पर व्यावसायिक परिसर विकसित करने की तैयारी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने देर शाम किया डोंगेश्वर धाम परिसर का निरीक्षण, दुग्ध संग्रहण केंद्र प्रारंभ करने पर भी दिया जोर

यश भारत



धमतरी। जिले के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देवपुर में विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बीते दिन देर शाम देवपुर पहुंचे और डोंगेश्वर धाम परिसर में प्रस्तावित शेड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि डोंगेश्वर धाम परिसर में शेड का निर्माण होने से यहां आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों, मेलों एवं अन्य आयोजनों में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। विशेषकर वर्षा और तेज धूप के दौरान श्रद्धालुओं को बैठने एवं कार्यक्रमों में सहभागिता करने के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने मुख्य सड़क के किनारे व्यावसायिक परिसर निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। इससे स्थानीय लोगों को दुकान एवं व्यवसाय संचालन के अवसर मिल सकेंगे। साथ ही धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक सामग्री एवं अन्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर मिश्रा ने देवपुर में दुग्ध संग्रहण केंद्र प्रारंभ करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इससे पशुपालक ग्रामीणों को दूध विक्रय के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलेगी और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेड एवं प्रस्तावित व्यावसायिक परिसर सहित सभी विकास कार्यों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए। निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, तकनीकी गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन स्थलों का व्यवस्थित विकास होने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी विकसित होंगे। सड़क निर्माण समाचार में यातायात एवं परिवहन सुविधा, महाविद्यालय समाचार में शिक्षा, इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर समाचार में रोजगार और देवपुर समाचार में धार्मिक पर्यटन एवं ग्रामीण आजीविका को मुख्य आधार बनाया गया है। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सतिन्दर चहल, एसडीएम डॉ.कल्पना ध्रुव, एसडीओ मुरलीधर पैकरा, सीईओ जनपद पंचायत धमतरी श्रीमती वर्षा रानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकल फॉर वोकल की मिसाल बने ग्राम जैतालुर के राजकुमार कुम्हार, दिवाली पर तैयार किए 20 हजार मिट्टी के दीये

बीजापुर। दीपावली का पर्व रोशनी और खुशियों का प्रतीक है। इस पर्व पर घर-आंगन को रोशन करने के लिए ग्राम जैतालुर के कुम्हार राजकुमार अपनी पारंपरिक कला के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इस वर्ष दीपावली के अवसर पर लगभग 20 हजार मिट्टी के दीयों का निर्माण किया है। मिट्टी को आकार देकर दीये और विभिन्न प्रकार के उपयोगी बर्तन तैयार करना राजकुमार की पारंपरिक कुम्हारी कला का हिस्सा है। उनके पास मिट्टी के कुकर, कढ़ाई सहित अन्य प्रकार के मिट्टी के बर्तन भी उपलब्ध हैं। उनका यह हुनर न केवल पारंपरिक कला और संस्कृति को जीवंत बनाए हुए है, बल्कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार की संभावनाओं को भी बढ़ावा दे रहा है। राजकुमार कुम्हार का यह प्रयास 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को साकार करता है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीये खरीदकर आम नागरिक उनकी मेहनत को सम्मान दे सकते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। इस दीपावली आइए, स्वदेशी अपनाएं, स्थानीय कारीगरों का



उत्साह बढ़ाएं और अपने घरों को मिट्टी के दीयों से रोशन करें। क्योंकि एक दीया सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि किसी कारीगर की मेहनत और आत्मनिर्भरता की उम्मीद भी है।

छाती में खुलेगा इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर, युवाओं और महिलाओं के लिए खुलेंगे रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण, अस्पताल, प्राथमिक शाला और सीसी रोड के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

धमतरी। जिले के छाती क्षेत्र में विकास एवं रोजगार की संभावनाओं को विस्तार देने की दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर का विकास किया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बीते दिनों छाती पहुंचकर सेंटर का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने सरपंच से चर्चा कर गांव में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर के प्रारंभ होने से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जुड़ने, प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अस्पताल तथा बच्चों की शिक्षा के लिए प्राथमिक शाला निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकतानुसार सीसी रोड निर्माण के प्रस्ताव भी तैयार करने को कहा। कलेक्टर ने बाजार स्थल को व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए उसे वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत शामिल करने की बात कही, ताकि स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर बाजार सुविधा मिल सके। कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि छाती को नगर पंचायत बनाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इससे भविष्य में क्षेत्र के सुनियोजित विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेंटर सहित सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

कारोबारी के काफिले को पुलिस एस्कॉर्ट, गाड़ियों में स्टंट करते दिखे लोग, कमिश्नरेट पर उठे सवाल



रायपुर। राजधानी रायपुर में एक सर्राफा कारोबारी के लग्जरी कारों के काफिले को पुलिस एस्कॉर्ट मिलने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कारोबारी कार्तिक गिरि के काफिले के आगे पुलिस की सफेद स्कॉर्पियो चलती दिखाई दे रही है।

वहीं, काफिले में शामिल कुछ लोग चलती गाड़ियों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद रायपुर पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली और सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल पर सवाल उठ रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक निजी कारोबारी के काफिले को पुलिस पायलटिंग किस आधार पर दी गई? क्या कारोबारी को कोई सुरक्षा खतरा था या किसी सक्षम अधिकारी के आदेश पर पुलिस वाहन तैनात किया गया था? पुलिस विभाग की ओर से इस संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

पुलिस की मौजूदगी में सड़क पर स्टंट

वायरल वीडियो में काफिले की गाड़ियों में बैठे कुछ लोग चलती कारों की खिड़कियों से बाहर निकलकर स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। सार्वजनिक सड़क पर इस तरह की हरकतें दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए खतरा बन सकती हैं। सवाल यह भी है कि पुलिस की गाड़ी आगे चलने के बावजूद इन गतिविधियों को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की गई?

पुलिस वाहन किसके आदेश पर भेजा गया?

निजी व्यक्ति को सुरक्षा देने के लिए खतरे का आकलन और सक्षम अधिकारी की अनुमति जरूरी होती है। ऐसे में पुलिस को बताना चाहिए कि कारोबारी को किस आधार पर सुरक्षा दी गई और पुलिस वाहन की तैनाती का आदेश किसने जारी किया। पुलिस लाइन के आरआई की ओर से घटनाक्रम की जानकारी नहीं होने की बात भी सामने आई है।

आम लोगों पर चालान, रसूखदारों पर कार्रवाई कब?

रायपुर में यातायात नियम तोड़ने पर आम वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाती है। ऐसे में वायरल वीडियो में स्टंट करते दिख रहे लोगों पर कार्रवाई होगी या नहीं, यह बड़ा सवाल है। पुलिस कमिश्नरेट से यह भी पूछा जा रहा है कि सरकारी वाहन का इस्तेमाल अधिकृत आदेश से हुआ या नहीं। अब मामले में जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग उठ रही है।

भिलाई में दुकान-सह-आवास के अतिरिक्त निर्माण पर हर महीने जुर्माना वसूली से व्यापारी परेशान

दीपावली बाद बड़े आंदोलन की चेतावनी!

यश भारत

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र क्षेत्र में दुकान-सह-आवास के आवंटनधारकों को अतिरिक्त निर्माण के नाम पर प्रतिमाह आर्थिक दंड वसूले जाने का मामला गरमा गया है।



स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स, भिलाई ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रबंधन से वन टाइम पेनल्टी लेकर ऐसे निर्माणों को नियमित करने की मांग की है। चेंबर का आरोप है कि जब इस समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, तो फिर वर्षों से व्यापारियों को आर्थिक और मानसिक परेशानी क्यों झेलनी पड़ रही है? संगठन ने दीपावली के बाद बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

आइए विस्तार से जानते हैं ??

दुकान-सह-आवास के अतिरिक्त निर्माण पर प्रतिमाह वसूला जा रहा जुर्माना

भिलाई इस्पात संयंत्र ने भिलाई प्रशासित क्षेत्र में दुकान-सह-आवास की विधिसम्मत अनुमति देते हुए आवंटन किए हैं। आवंटनधारकों ने आवंटित क्षेत्र की भूमि पर निर्धारित ऊंचाई सीमा में किसी तरह का अतिरिक्त निर्माण कर लिया है। ऐसे निर्माणों के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र ने पूर्व में वन टाइम पेनल्टी सिस्टम लागू करके विधिसम्मत आदेश भी जारी किया था। लेकिन लगभग 8-10 वर्षों पूर्व से बीएसपी प्रबंधन द्वारा उन नियमों को दरकिनार कर प्रतिमाह आर्थिक दंड अधिरोपित कर वसूली की जा रही है। आवंटनधारकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह राशि कब तक वसूली जाती रहेगी? जबकि भिलाई इस्पात प्रबंधन के पास वन टाइम पेनल्टी लेकर ऐसे निर्माणों को नियमित करने की योजना मौजूद है।

सीजीएम सेवाएं के साथ बैठक में उठा था मामला, एक माह बाद भी कार्रवाई की जानकारी नहीं

हाल ही में भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स, भिलाई के पदाधिकारियों की एक बैठक भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) एवं उनके अधीनस्थ अधिकारियों के साथ संपन्न हुई थी। इस बैठक में इस विषय पर गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ था। बैठक के दौरान मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने इस प्रकरण के निराकरण का आश्वासन भी दिया था। लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है, इसकी कोई जानकारी स्टील सिटी चेंबर को प्रबंधन की ओर से नहीं दी गई है।

अधिकारियों की रुचि समाधान से ज्यादा प्रतिमाह राशि वसूली में : ज्ञानचंद जैन

स्टील सिटी चेंबर के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने कहा है कि यह प्रकरण स्थानीय स्तर पर ही हल किया जा सकता है, लेकिन विभागीय अधिकारियों की रुचि प्रतिमाह राशि वसूले जाने में नजर आती है, जो दुखद एवं निंदनीय है। चेंबर ने मुख्य महाप्रबंधक, नगर सेवाएं, भिलाई इस्पात संयंत्र को पुनः पत्र भेजकर मांग की है कि ऐसे सभी प्रकरण, जो बीएसपी प्रबंधन के नियंत्रण में हैं, उनमें उपभोक्ताओं को राहत देते हुए कार्य करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए जाने चाहिए।

संगठन का कहना है कि शहर के आवंटनधारकों को अनावश्यक मानसिक, आर्थिक और शारीरिक पीड़ा से राहत मिलनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता है तो दीपावली के बाद स्टील सिटी चेंबर, भिलाई किसी बड़े आंदोलन की राह अपना सकता है।

रिटेंशन और लाइसेंस प्रकरण का हवाला देकर प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

ज्ञानचंद जैन ने रिटेंशन एवं लाइसेंस के प्रकरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों के निराकरण के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी न केवल उपभोक्ताओं, बल्कि सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को भी गुमराह करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकरण का निराकरण स्थानीय प्रबंधन कर सकता था, उसे भी मुख्यमंत्री के स्तर तक ले जाया गया। समझ से परे है कि बीएसपी प्रबंधन ने शहर के रिटेंशनधारकों अथवा लाइसेंसधारकों को पिछले एक साल से लगातार परेशान क्यों करके रखा है।

नगर निगम चुनाव से पहले समाधान की मांग, नहीं तो व्यापारियों की नाराजगी बढ़ेगी

चेंबर अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम चुनाव के पूर्व इस समस्या का निराकरण भिलाई इस्पात संयंत्र को कर देना चाहिए। अन्यथा डबल इंजन की सरकार को व्यापारियों की समस्याओं का निदान नहीं होने के कारण पुनः परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक से अनुरोध किया है कि इस प्रकरण का शीघ्र निराकरण कर शहर के व्यापारी वर्ग को भी दीपावली के उपहार के रूप में एक छोटी सी राहत प्रदान की जाए।

दीपावली पर्व को देखते हुए निगम की समझाइश, सड़क पर दुकान बढ़ाकर न लगाने की दी हिदायत

यश भारत



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा दीपावली पर्व को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए बाजारों एवं प्रमुख मार्गों पर दुकानदारों को समझाइश दी जा रही है। निगम की टीम द्वारा सड़क किनारे दुकान एवं पसरा लगाकर व्यापार करने वाले दुकानदारों को निर्देशित किया जा रहा है कि वे अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैलाकर न रखें और निर्धारित स्थान के भीतर ही व्यापार करें।

निगम द्वारा दुकानदारों को यह भी समझाइश दी जा रही है कि वे अपनी दुकान के सामने ग्राहकों को वाहन खड़ा करने से रोकें, ताकि सड़क पर आवागमन बाधित न हो। दुकानों के सामने एवं सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में नागरिकों की आवाजाही होती है। ऐसे में सड़कों पर अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग से जाम की स्थिति निर्मित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा व्यापारियों से सहयोग की अपील की जा रही है।

निगम प्रशासन ने सभी दुकानदारों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, सड़क एवं फुटपाथ को आवागमन के लिए खाली रखें तथा अपनी दुकान की सीमा के भीतर ही व्यापार करें, जिससे दीपावली पर्व के दौरान नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।



बैंक अध्यक्ष बेलचंदन ने मंत्री केदार कश्यप को जन्मदिन पर दी बधाई

दुर्ग। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप का जन्मदिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने मंत्री श्री कश्यप के निवास पहुंचकर उनसे भेंट की और जन्मदिन की बधाई दीं। इस दौरान श्री बेलचंदन ने मंत्री श्री कश्यप के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

पीएम आवास योजना की मंजूरी पर सांसद संतोष पाण्डेय ने जताई खुशी, कांग्रेस पर भी साधा निशाना

यश भारत

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को मंजूरी मिलने पर सांसद संतोष पाण्डेय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद सरकार ने सबसे पहले गरीबों के आवास से जुड़ा फैसला लिया। जिन आवासों को पिछली भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में रोका गया था, उन्हें साय सरकार ने प्राथमिकता देते हुए स्वीकृति दी। प्रदेश के 84 नगरीय निकायों के लिए नए आवास मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सिर पर छत उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

धनतेरस के अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद ने रा'य सरकार की ओर से एक हजार से अधिक पदों पर भर्ती की घोषणा का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने युवाओं को बड़ा तोहफा दिया है। अग्निवीर योजना के बाद छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए यह एक और महत्वपूर्ण सौगात है।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर कसा तंज



कांग्रेस की रैली में शामिल नहीं होने वाले पदाधिकारियों के खिलाफकार्रवाई की तैयारी को लेकर संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी में लोग अपने-अपने विरोधियों के नाम कार्रवाई के लिए भेज रहे हैं। कुछ लोग कार्रवाई करने की तैयारी में हैं, तो कुछ कार्रवाई करवाने में लगे हैं। कांग्रेस में आपसी टकराव साफनजर आ रहा है।

10 जनपथ में गांधारी बांधे बैठी हैं पट्टी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के उस बयान पर भी सांसद ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को अर्जुन बताते हुए हर चक्रव्यूह तोड़ने की बात कही थी। संतोष पाण्डेय ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस अर्जुन नहीं, बल्कि दुर्योधन है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 10 जनपथ में गांधारी आंखों पर पट्टी बांधकर बैठी हैं, जिन्हें अपने पुत्र दुर्योधन के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस का पतन तय है।

बस्तर में शांति और खुशहाली का दावा

रामलीला मैदान में कांग्रेस के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए सांसद ने कहा कि सभा में मंच और कुर्सियां दोनों खाली थीं। वहीं बस्तर के गांवों में दीप जलाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोंटा, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और अन्य क्षेत्रों में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि बस्तर में अब अमन-चैन की बयार बह रही है और दीपों की रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमगाएगा।

आस्था वृद्धा आश्रम में 20 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित कार्यालय, पुस्तकालय एवं भोजनालय का विजय बघेल ने किया लोकार्पण

आस्था वृद्धा आश्रम में 20 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित कार्यालय, पुस्तकालय एवं भोजनालय का सांसद विजय बघेल ने किया लोकार्पण

यश भारत

भिलाई। स्वर्गीय श्रीमती बानू बाई गेडाम की पुण्य स्मृति में आस्था वृद्धा आश्रम, क्वार्टर नंबर 23/ए, सड़क एवेन्यू सी, सेक्टर-2 भिलाई में नवनिर्मित कार्यालय, पुस्तकालय एवं भोजनालय का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल एवं विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर उपस्थित रहे।

इसके अलावा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया, शंकरलाल देवांगन, प्रभुनाथ मिश्रा, नीमराज वर्मा, दिलेश्वर उमरी एवं संतोष राणा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल ने आश्रम परिसर स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर किया। इसके पश्चात उन्होंने फीता काटकर कार्यालय, पुस्तकालय एवं भोजनालय का लोकार्पण किया तथा स्वर्गीय बानू बाई गेडाम के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश गेडाम ने बताया कि आस्था वृद्धा आश्रम आपसी सहयोग एवं दानदाताओं के योगदान से लगभग 25 वर्षों से संचालित है। वर्तमान में आश्रम में करीब 80 बुजुर्ग निवासरत हैं, जिनमें 50 महिलाएं एवं 30 पुरुष शामिल हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत 20 लाख रुपये की राशि से नवनिर्मित कार्यालय, पुस्तकालय एवं भोजनालय का निर्माण किया गया है।

सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव सेवा को अपना आभूषण मानकर आस्था संस्था वर्षों से जरूरतमंद एवं बेसहारा बुजुर्गों की सेवा कर रही है। स्वर्गीय बानू बाई गेडाम के संस्कारों और आशीर्वाद से यह सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रकाश गेडाम एवं उनकी पूरी टीम जिस समर्पण भाव से बुजुर्गों की सेवा कर रही है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि जिन बुजुर्गों का कोई सहारा नहीं है, जिन्हें परिवार ने छोड़ दिया है, ऐसे लोगों को आश्रम में परिवार जैसा स्नेह, सम्मान और अपनापन दिया जाता है। यहां बुजुर्गों की सेवा किसी मंदिर में पूजा करने के समान है। प्रकाश गेडाम स्वयं बुजुर्गों की देखभाल से लेकर उनकी हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। इतना ही नहीं, एक हजार से अधिक लावारिस शवों का पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराना भी उनकी मानव सेवा की भावना को दर्शाता है।

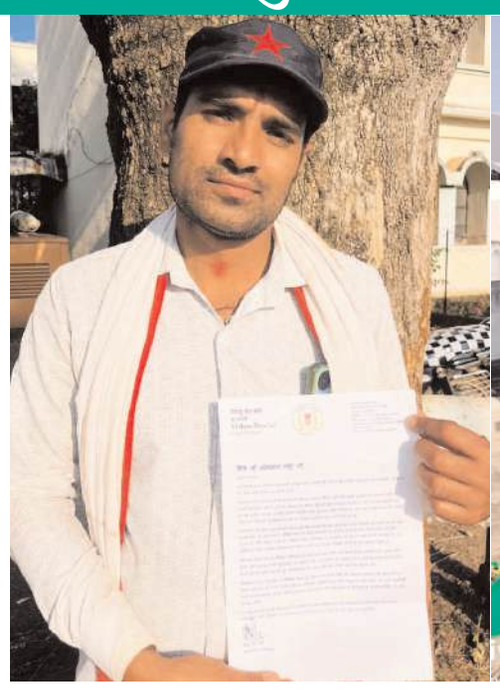
सांसद ने कहा कि आज के दौर में जहां कई संस्थाएं कुछ समय बाद बंद हो जाती हैं, वहीं आस्था संस्था का 25 वर्षों से निरंतर सेवा कार्य करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसके पीछे माता बानू बाई गेडाम के दिए संस्कार, सेवा भावना और पूरी टीम का समर्पण है। उन्होंने नवनिर्मित भवन के लोकार्पण पर संस्था के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कवर्धा के किसान को मुख्यमंत्री ने भेजा दीपावली का संदेश, सौर ऊर्जा की पहल को सराहा

मुख्यमंत्री ने किसान ओंकार साहू को भेजी 'विष्णु के पाती'

सूर्य घर योजना से बिजली बिल शून्य, घर की जरूरत से अधिक बिजली का हो रहा उत्पादन

यश भारत





रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की ओर से दीपावली पर मिला आत्मीय संदेश छत्तीसगढ़ के कवर्धा निवासी किसान ओंकार साहू के परिवार के लिए खास बन गया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा अपनाने वाले कवर्धा के रामनगर निवासी ओंकार साहू को मुख्यमंत्री ने 'विष्णु का पाती' भेजकर शुभकामनाएं दी हैं। पत्र में मुख्यमंत्री ने खेती-किसानी के साथ सौर ऊर्जा अपनाने की उनकी पहल की सराहना करते हुए इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पीएम सूर्य घर योजना से सौर ऊर्जा का लाभ परिवारों तक पहुंच रहा है। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग न केवल आर्थिक बचत करता है, बल्कि आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में भी सहायक है। उन्होंने ओंकार साहू के परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

'सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल किया शून्य'- खेती-किसानी से जुड़े छत्तीसगढ़ के कवर्धा निवासी ओंकार साहू ने 28 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके लिए उन्होंने कुल 1 लाख 90 हजार रुपये खर्च किए, जिसमें उन्हें 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगवाने से पहले उनके घर का हर महीने लगभग 1 हजार से 1500 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन अब सोलर ऊर्जा से घर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं और उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।

'खपत से ज्यादा बिजली बन रही, ग्रिड में भेजकर मिले 9 हजार रुपए'- ओंकार साहू ने बताया कि सोलर पैनल से घर की जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। उपयोग के बाद बची बिजली विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है। इस अतिरिक्त बिजली के बदले अब तक करीब 9 हजार रुपए का आर्थिक लाभ मिल चुका है। यानी अब वे केवल बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ता नहीं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को देने वाले उत्पादक भी बन गए हैं।

'आर्थिक बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान'- ओंकार साहू का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उनके परिवार के लिए काफी लाभकारी साबित हुई है। पहले जहां हर महीने बिजली बिल के रूप में राशि खर्च करनी पड़ती थी, वहीं अब बिजली बिल शून्य हो गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाना आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जरूरी है।

संपादकीय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दीपावली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और खुशियां बांटने का पर्व नहीं है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का जीवन-दर्शन है। उपनिषदों का कालजयी मंत्र 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, दीपावली की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। यह प्रकाश केवल घरों और रास्तों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के विचारों, विवेक, चेतना और कर्मों को भी प्रकाशित करने का संदेश देता है। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। कहीं आर्थिक और सामाजिक असमानता है तो कहीं गरीबी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव। आतंकवाद, युद्ध, हिंसा और आपसी वैमनस्य ने मानव जीवन की शांति को प्रभावित किया है। प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और नई-नई बीमारियां मानव सभ्यता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। विज्ञान और तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद यदि मनुष्य सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहा है तो हमें विकास की हमारी परिभाषा पर विचार करना होगा। दीपावली का वास्तविक प्रकाश तभी सार्थक होगा, जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी उसके उजाले का अनुभव कर सके। किसी घर में दीपों की कतार हो और उसी समाज में कोई व्यक्ति भूखा सोए, कोई इलाज के अभाव में दम तोड़े, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहे या कोई परिवार भय और असुरक्षा में जीवन बिताए तो हमारी उत्सवधर्मिता अधूरी रह जाती है। सच्ची दीपावली वह है, जिसमें संपन्न व्यक्ति जरूरतमंद का सहारा बने, सक्षम व्यक्ति वंचितों को अवसर दे और समाज का प्रत्येक वर्ग एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। इस शुभ पर्व पर आत्मावलोकन की भावना को भी समझना होगा। आत्मावलोकन हमें अपने भीतर झांकने, अपनी कमियों को सुधारने और व्यवहार का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। वहीं अनुसंधान हमें समस्याओं के मूल कारणों तक पहुंचकर समाधान खोजने की दिशा दिखाता है। हर प्रकार के संकट से निपटने के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक है। हमें अपने भीतर भी प्रकाश खोजना है और ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सतत शोध करते हुए बाहरी दुनिया के अज्ञानरूपी अंधकार को भी दूर करना है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसकी वास्तविक पहचान नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है। इसके लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्व शांति की स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास की कटु स्मृतियों और प्रतिशोध की भावना में उलझे रहने से भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। अतीत से सबक लेकर ऐसी दुनिया बनानी होगी, जहां संवाद को संघर्ष पर, सहयोग को वैमनस्य पर और मानवता को संकीर्ण स्वार्थों पर प्राथमिकता मिले। आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है। भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी वैश्विक चेतना का आधार है। पूरी पृथ्वी एक परिवार है तो उसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। किसी एक देश की पीड़ा से विश्व अछूता नहीं रह सकता। इसलिए शांति, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए राष्ट्रों को एक-दूसरे का सहयोगी बनना होगा। आइए, इस दीपावली पर हम केवल अपने घरों में दीप न जलाएं, अपने हृदय और समाज में भी प्रकाश फैलाएं। किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएं, किसी जरूरतमंद की सहायता करें, किसी बीमार को उपचार में सहयोग दें और किसी भटके हुए मन को सद्भाव का रास्ता दिखाएं। अपने भीतर ज्ञान की ज्योति और समाज में समरसता की मशाल प्रज्वलित करें। हमारी कामना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश मुंबई से महाराष्ट्र, भारत से लेकर संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। मानवता सुरक्षित रहे, हर व्यक्ति को उन्नति का समान अवसर मिले और धरती पर प्रेम, शांति तथा सह-अस्तित्व की ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और विश्व शांति के लिए हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कड़वे वचन



तू बात बात में मुहुर्त मुहुर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त मुहूर्त क्या होता है? जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त नहीं होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-7 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ

बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

(नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) पर विशेष)



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सदुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

नवजातों को मोबाइल की लत बहुत गलत?



नवजात को मोबाइल मत दीजिये, यह बहुत घातक है। मोबाइल की लत बहुत गलत है। आज का सबसे बड़ा तमाशा देखिए। बच्चा पैदा होते ही रोया भी नहीं कि उसकी फोटो खिंच गई। एक सेकंड में व्हाट्सएप पर, फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर। अस्पताल के बेड से ही स्टेटस लग गया - हमारे घर लक्ष्मी आई, हमारे घर गणेश आया। हमने सोचा हमने प्यार बांटा, पर हमने जन्म लेते ही नवजात को मोबाइल की घातक किरणों के सामने खड़ा कर दिया। जिस बच्चे को मां की गोद की गर्मी और मां का आंचल चाहिए था, उसे सबसे पहले कैमरे का फ्लैश और स्क्रीन की नीली रोशनी दे दी।

और यहीं से लत की शुरुआत हो जाती है। हम खुद ही उसके जीवन की पहली लत के सौदागर बन जाते हैं।

आज हर घर में यही है। 6 महीने का बच्चा गोद में है, हाथ में मोबाइल है। बच्चा रोया, मोबाइल। खाना नहीं खाया, मोबाइल। मां को रसोई का काम करना है, मोबाइल। पिता थक गए हैं, मोबाइल। हम समझते हैं बच्चा संभल गया, पर सच यह है कि हमने कच्ची मिट्टी जैसे बच्चे को घातक किरणों के हवाले कर दिया है। यह संभलना नहीं है, यह जड़ होना है।

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली घातक किरणें सीधे उसकी नाजुक आंखों पर वार करती हैं। उसकी आंखें अभी बन रही हैं, परदे बहुत कोमल हैं। यह तेज नीली रोशनी उसकी आंखों के परदे को जला रही है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। तभी तो आज 2-2 साल के बच्चों को मोटा चश्मा लग रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में बच्चों की लाइन लगी है। पहले बच्चे मोतियाबिंद बुढ़ापे में सुनते थे, आज बच्चे बचपन में ही आंखों की बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यही किरणें उसकी नींद छीन लेती हैं। मोबाइल की रोशनी दिमाग को दिन-रात का फर्क भूलवा देती है। मेलाटोनिन हार्मोन बनना बंद हो जाता है। बच्चा रात भर जागता है, दिन भर चिड़चिड़ा रहता है, रोता रहता है और मां-बाप समझ ही नहीं पाते कि बच्चा क्यों रो रहा है।

सबसे बड़ा घात उसके दिमाग और बोलने पर हो रहा है। जिस उम्र में उसे मां की लोरी, पिता की आवाज, दादी की कहानी, नानी की थाप सुननी चाहिए, उस उम्र में वह मोबाइल के तेज रंग और तेज शोर में कैद है। वह देखता नहीं, सम्मोहित होता है। कार्टून तेजी से भागते हैं, आवाजें चीखती हैं, उसका छोटा दिमाग उस रफ्तार को पकड़ नहीं पाता। इसीलिए वह चुप हो जाता है और हम मूर्खों की तरह खुश होते हैं कि देखो, हमारा बच्चा कितना समझदार है, बिना रोये मोबाइल देख रहा है। पर यह समझदारी नहीं, जड़ता है। यह शांत होना नहीं, सन्न होना है। इसका सीधा नतीजा है कि बच्चे देर से बोल रहे हैं। 3 साल का बच्चा है पर मां नहीं बोल पाता। लोगों से घुल-मिल नहीं रहे, आंख से आंख नहीं मिलाते, अकेले बैठे रहते हैं, छोटी बात पर जमीन पर लोट-लोट कर भड़क जाते हैं। बड़े-बड़े बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक साफ कह रहे हैं, छोटे बच्चों में ऑटिज्म, एडीएचडी और बोलने में देरी का एक बड़ा कारण यह मोबाइल ही है। हम अपने हाथों से अपने बच्चे को बीमार बना रहे हैं।

पहले बच्चा रोता था तो घर के दस हाथ उसे संभालने आते थे। दादी लोरी गाती थी, नानी कहानी सुनाती थी, बुआ गोद में लेती थी, पिता कंधे पर घुमाता था। चाचा उंगली पकड़ कर चलाता था। उससे रिश्ते बनते थे, संस्कार बनते थे, बच्चा सामाजिक बनता था। आज रोते ही एक ही हाथ आता है, मोबाइल वाला। न लोरी रही, न कहानी, न दादी का प्यार, न नानी का दुलार। बच्चा परिवार से नहीं, स्क्रीन से जुड़ गया। वह मां को नहीं पहचानता, मोबाइल को पहचानता है। यह कितनी बड़ी त्रासदी है।

और उसका खेलना-कूदना, भागना-दौड़ना तो खत्म ही हो गया। जो बच्चा मिट्टी में खेलता था, मिट्टी से ही उसका शरीर मजबूत होता था, इम्यूनिटी बनती थी। जो भागता था, गिरता था, उठता था, उससे उसकी हड्डियां मजबूत होती थीं। वही बच्चा अब एक कोने में बैठा, गर्दन झुकाए, आंखें गड़ाए मोबाइल घिस रहा है। न धूप लग रही है, न हवा। शरीर कमजोर, हड्डियां कमजोर, आंखें कमजोर और बचपन सबसे ज्यादा कमजोर। बचपन तो रहा ही नहीं।

हम कहते हैं, मिट्टी मत खा, बीमार हो जाएगा। धूल में मत जा, बीमार हो जाएगा। बाहर का मत खा, बीमार हो जाएगा। हम इतने सजग हैं। पर बच्चा रोज घंटों तक स्क्रीन का मानसिक जहर खा रहा है, उसका दिमाग सड़ रहा है, उससे नहीं डरते। यह कौन सी सजगता है?

सोशल मीडिया पर फोटो डालने की होड़ ने तो हद ही कर दी है। बच्चे का हर रोना, हर हंसना, हर नहाना, हर खाना हमने दुनिया को दिखा दिया। हमने कभी सोचा कि उस फोटो के साथ कितनी घातक किरणें, कितनी बुरी नजरें, कितना डेटा उस बच्चे से चिपक रहा है? वह बच्चा अभी इस दुनिया को समझा भी नहीं और हमने उसे पूरी दुनिया के सामने परोस दिया। उसकी सुरक्षा, उसकी मासूमियत, सब खतरे में डाल दी।

एक घंटे का सुकून पाने के लिए आप उसके जीवन भर की एकाग्रता, उसकी आंखें, उसकी जुबान और उसका बचपन दांव पर लगा रहे हैं। वह एक घंटा आपको आराम देगा, पर वह बच्चा जीवन भर आपको परेशान करेगा, क्योंकि आपने उसकी नींव ही कमजोर कर दी।

अभी संभलने का समय है, कहीं देर न हो जाये। ताउम्र पछताओगे, सिर पटकोगे जब बच्चे अपंग होंगे, आंखों की बीमारी होगी, दिमाग कमजोर होगा और बोलने में पिछड़ जाएंगे।

इसलिए हाथ जोड़कर कह रहा हूं - जन्म लेते ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डालना बंद कीजिए। उसकी नजर उतारने से पहले ही दुनिया की नजर में लाना बंद कीजिए। कम से कम पहले 5 साल तक तो उसे मोबाइल से दूर रखिए। उसे कहानी सुनाइए, लोरी सुनाइए, मिट्टी में खेलने दीजिए, पेड़ दिखाइए, चिड़िया दिखाइए। रोये तो गोद में लीजिए, मोबाइल मत दीजिए। और नवजात के हाथ में तो बिल्कुल मोबाइल मत दीजिए। यह खिलौना नहीं, बहुत घातक लत है।

(लेखक- नरेंद्र भारती)

बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान

ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा



युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो।भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अग्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अग्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है।

भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है।आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है।

भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है।

भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध की आशंका को रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है कि सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद कुबेर और धनवंतरि की होगी आराधना

सजे बाजार, जगमगाए शोरूम , छह दिन तक चलेगा दीपोत्सव

जबलपुर,यश भारत।

इस बार दीपोत्सव पांच नहीं, बल्कि छह दिनों तक मनाया जाएगा। दो अमावस्या पड़ने के कारण पर्व की अवधि बढ़ गई है। शुक्रवार 6 नवंबर को धनतेरस के साथ दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। पर्व को लेकर शहर के बाजार सजकर तैयार हैं। सराफा बाजार से लेकर बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और वाहन शोरूम तक आकर्षक सजावट की गई है। धनतेरस पर शुभ खरीदारी के लिए बाजारों में दिनभर चहल-पहल रहने की उम्मीद है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान धनवंतरि, धन के देवता कुबेर और यमराज की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी





वजह से इस दिन नए बर्तन खरीदने की परंपरा चली आ रही है। लोग नए बर्तनों में पकवान रखकर भगवान धनवंतरि को भोग अर्पित करते हैं।

सोना-चांदी और बर्तनों की खरीदारी का विशेष महत्व

धनतेरस पर सोना, चांदी और बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन, कपड़े और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी भी की जाती है। पर्व को देखते हुए शहर के प्रमुख बाजारों और शोरूमों को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है। दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और ऑफर भी रखे हैं। सराफा बाजार और कोतवाली क्षेत्र में विशेष रौनक देखने को मिल रही है।

घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाएगा यम दीप

धनतेरस पर अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना के साथ यमराज की पूजा का भी विधान है। धार्मिक परंपरा के अनुसार शाम को घर के मुख्य द्वार पर यमराज के नाम से दीपक जलाया जाता है। महिलाएं दीपक में चार बत्तियां जलाकर जल, रोली, चावल और गुड़ सहित अन्य पूजन सामग्री से पूजा करती हैं। मान्यता है कि इससे परिवार पर यमराज की कृपा बनी रहती है। धनतेरस के साथ शुरू होने वाला छह दिवसीय दीपोत्सव अब घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव का माहौल लेकर आएगा। लक्ष्मी पूजन, दीपदान और खरीदारी के साथ अगले छह दिनों तक शहर रोशनी और उल्लास में डूबा रहेगा।

युवती के प्यार में बना हत्यारा, भाई के साथ मिलकर दो जिंदगियों को कार से कुचला



बेलखेड़ा दोहरी मौत मामले में प्रेम प्रसंग का खुलासा, नाबालिग अभिरक्षा में और भाई फरार

यश भारत फॉलोअप

जबलपुर,यश भारत। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे पर कार से कुचलकर युवक और युवती की मौत के मामले में पुलिस जांच में प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग जागृति महलोनिया से प्रेम करता था। इसी बीच जागृति की प्रशांत लोधी से बातचीत होने लगी, जिससे नाराज होकर नाबालिग ने अपने भाई अनिल सिंह के साथ मिलकर दोनों को कार से कुचलने की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया है, जबकि उसका भाई फरार है। पुलिस के अनुसार, ग्राम उड़ना निवासी 19 वर्षीय प्रशांत लोधी अपने दोस्त हेमराज के साथ मोटरसाइकिल से बेलखेड़ा पहुंचा था। शाम करीब चार बजे वह ग्राम गुबराकला निवासी जागृति महलोनिया के साथ सड़क किनारे खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान कार ने दोनों को टक्कर मारते हुए कुचल दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जांच में पुलिस को पता चला कि जागृति से नाबालिग का प्रेम प्रसंग था और प्रशांत से उसकी बातचीत को लेकर वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने अपने भाई के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई। एडिशनल एसपी अनु बेनीवाल के अनुसार, पुलिस ने एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है और फरार अनिल सिंह की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर, यश भारत। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और तिलवारा व गोहलपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 14.44 ग्राम स्मैक, 17 हजार 600 रुपये नकद, चार मोबाइल और तस्करी में इस्तेमाल की गई कार जब्त की गई है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 3 नवंबर को तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने जबलपुर-नागपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम जोधपुर पड़ाव के पास वाहन चेकिंग के दौरान लाल रंग की ब्रेजा कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक कार मोड़कर भागने लगा, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। कार में राहुल साहू (31), निवासी गोहलपुर और विकास पटेल (30), निवासी कटंगी सवार थे। तलाशी में दोनों के पास से कुल 11 ग्राम स्मैक, 17 हजार 330 रुपये नकद और तीन मोबाइल मिले। पुलिस ने कार भी जब्त कर ली। वही गोहलपुर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने रद्दी चौकी के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे सज्जाद खान (27), निवासी गोटेगांव को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से 3.44 ग्राम स्मैक, 270 रुपये और एक मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि वह मोनू चौधरी के साथ स्मैक बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था।

रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस बिक रहे थे पटाखे

जबलपुर, यश भारत। रिहायशी इलाकों में बिना लाइसेंस अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर गढ़ा, बेलबाग और लार्डगंज पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चार दुकानदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न प्रकार के पटाखे और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गढ़ा के काजी मोहल्ले में अब्दुल रहमान (36) बिना लाइसेंस पटाखे बेचते मिला। उसके पास से बम, लक्ष्मी बम, अनार, फुलझड़ी, चकरी और रॉकेट सहित विभिन्न प्रकार के पटाखे जब्त किए गए। वहीं अरिहंत बुक डिपो के पास आगम जैन (19) के कब्जे से दो पेटियों में रखे एक हजार पाइप बम बरामद किए गए। इसी तरह बेलबाग पुलिस ने गुरंदी बाजार स्थित छावड़ा अस्पताल तिराहे पर विनय सोनकर (36) की दुकान से माचिस बम के 20 पैकेट जब्त किए।

कार सवारों ने व्यापारी को टक्कर मारकर लूटा करीब 7 लाख के जेवरात ले उड़े

सिहोरा गौरहा गांव के पास वारदात

जबलपुर, यशभारत। सिहोरा के निकट गौरहा गांव के पास शुक्रवार सुबह कार सवार चार बदमाशों ने एक सोना-चांदी के व्यापारी को निशाना बनाते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने व्यापारी की गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर उसे सड़क पर गिरा दिया और उसके पास रखे करीब 6 से 7 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरगी मोहला निवासी सोना-चांदी के व्यापारी विकास सोनी शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जेवरात लेकर गौरहा गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से कार में सवार होकर आए चार लोगों ने



उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विकास सोनी सड़क पर गिर पड़े। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, कार सवार बदमाश उनके पास मौजूद जेवरात लेकर मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश तेज रफ्तार से कार लेकर भागे। इस दौरान गौरहा गांव के पास उन्होंने एक गाय को भी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाय लहूलुहान हालत में सड़क पर पड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस बदमाशों की पहचान और उनकी तलाश में जुटी है। दिनदहाड़े व्यापारी को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात लूटे जाने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

बिना लाइसेंस वेंडिंग करने वालों पर आरपीएफ का शिकंजा



जबलपुर यशभारत। रेलवे स्टेशन परिसर में अनाधिकृत वेंडिंग पर अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में आरपीएफपोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में सतर्कता विभाग, वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफकी संयुक्त टीम ने विशेष जांच अभियान चलाकर बिना वैध प्रमाण पत्र के खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुओं की बिक्री करने वाले वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की। रेलवे स्टेशन पर चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 21 ऐसे व्यक्तियों को पकड़ा गया, जो आवश्यक वैध प्रमाण पत्र के बिना अनाधिकृत रूप से वेंडिंग करते पाए गए। संयुक्त टीम ने सभी के विरुद्ध जन विश्वास अधिनियम एवं रेल अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए 42 हजार रुपए की रसीद काटी।

अनाधिकृत वेंडिंग पर रहेगी नजर- रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसर में बिना अनुमति वेंडिंग से यात्रियों को असुविधा होने के साथ ही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं। इसे देखते हुए आरपीएफ ने वाणिज्य एवं सतर्कता विभाग के साथ समन्वय बनाकर अभियान चलाया। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से अनाधिकृत रूप से कारोबार करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही।

कलेक्टर ने की स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा

75 से 80 प्रतिशत पंजीयन वाले गांवों में विशेष कैंप लगाने के निर्देश



जबलपुर, यशभारत। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्पलाइन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना में शत-प्रतिशत पंजीयन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों का चयन किया जाए, जहां 75 से 80 प्रतिशत तक पंजीयन पूरा हो चुका है। इन गांवों में विशेष कैंप लगाकर शेष पंजीयन भी पूरा कराया जाए। उन्होंने एसडीएम को संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने तथा पटवारी सत्यापन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शिकायतों का कराएं वास्तविक निराकरण- कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि शिकायतों को केवल फोर्स क्लोज न करें, बल्कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का वास्तविक समाधान कराएं। उन्होंने कहा कि नीतिगत कारणों से जिन शिकायतों का निराकरण संभव नहीं है, उन्हीं मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत बंद कराए जाने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व को लेकर एसपी को ज्ञापन

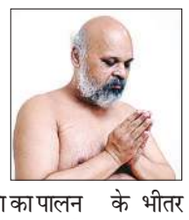
जबलपुर यश भारत। उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ ने छठ महापर्व पर सुरक्षा, सफाई व चेंजिंग रूम व्यवस्था हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा । इस मौके पर अध्यक्ष कन्दर्प शर्मा, विजय मिश्रा, राकेश रंजन और अनिल गुप्ता आदि प्रतिनिधि मंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ के उपलक्ष्य में संस्कारधानी जबलपुर के विभिन्न घाटों एवं तालाबों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु महापौर एवं पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और कहा कि संस्कारधानी में बहुतायत संख्या में उत्तर भारतीय परिवार



निवास करते हैं और आगामी 13 नवम्बर से शुरू होने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व पर गौरीघाट, तिलवाराघाट, माढ़ोताल, हनुमानताल, संजीवनी नगर, देवताल, गुलौआताल, अधारताल, गोकलपुर, रांझी सहित शहर के प्रमुख जलस्रोतों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।अतः सभी प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और समुचित प्रकाश (लाइटिंग) की व्यवस्था के लिए आग्रह किया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि यथा संभव सभी सुविधाओं और व्यवस्थाएं की जायेगी।

जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाला आगे चलकर स्वयं भगवान बन सकता है : मुनि निष्कंप सागर

जबलपुर। यशभारत। शिवनगर जैन मंदिर में मुनि श्री निष्कंप सागर जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में मिलने वाला सुख, समृद्धि, निरोगी काया, दीर्घायु और उच्च कुल में जन्म लेना सब पुण्य का प्रतिफल है। इसी प्रकार साध्वी का जीवन, उच्च कुल में जन्म लेकर पति की आज्ञा का पालन करने वाली स्त्री तथा पिता की आज्ञा से रंचमात्र भी विचलित नहीं होने वाला पुत्र भी पुण्य के फलस्वरूप प्राप्त होते हैं।मुनि श्री ने कहा कि घर से मंदिर भले ही दूर हो, लेकिन वहां जाना है। रास्ते में सांसारिक वासनाओं का जंगल मिले, तब भी उसे पार करना है। यही सच्चे जैन धर्मावलंबी की पहचान है। उन्होंने कहा कि भगवान कौन बनेगा? जो जिन प्रतिमा का निर्माण करवाएगा, वह भी एक दिन भगवान बनने की दिशा में अग्रसर होगा। सम्यक्त्व की प्राप्ति होने पर मनुष्य आज नहीं तो कल भगवान



अवश्य बन सकता है। उन्होंने प्रेरक उदाहरण देते हुए कहा कि आराधक से आराध्य और पूजक से पूज्य बनने की क्षमता प्रत्येक मनुष्य में है। जिस प्रकार बीज के भीतर केवल बीज ही नहीं, बल्कि विशाल वृक्ष बनने की संभावना भी छिपी होती है, उसी प्रकार मनुष्य के भीतर केवल मनुष्य ही नहीं, भगवान बनने की संभावना भी विद्यमान है। पूर्व में तीर्थंकर भी हम जैसे ही सामान्य मनुष्य थे, लेकिन उन्होंने संसार का त्याग और तप-साधना करके परम पद प्राप्त किया।मुनि श्री ने कहा कि जिन प्रतिमा का निर्माण कराने वाले श्रद्धालु युगों-युगों तक स्मरण किए जाते हैं। प्रतिमा निर्माण केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और पुण्य संचय का ऐसा माध्यम है, जिसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को धर्म, त्याग, संयम और जिन आराधना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

भोपाल के बाजारों में धनतेरस की बहार: एक हजार करोड़ से अधिक के कारोबार की उम्मीद

भोपाल, यशभारत। राजधानी में आज शुक्रवार को मनाए जा रहे धनतेरस के पावन पर्व पर बाजारों में बंपर कारोबार की उम्मीद है। सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी सामान और आतिशबाजी के बाजारों में सुबह से ही ग्राहकों की भारी चहल-पहल देखने को मिल रही है। कारोबारी अनुमानों के मुताबिक, इस बार भोपाल में धनतेरस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है, जो शहर की अर्थव्यवस्था को एक नई रफ्तार देगा।

सराफा बाजार में ?150 करोड़ पार का अनुमान, हल्के वजन की ज्वेलरी और सिक्कों की मांग-त्योहार पर सबसे अधिक रौनक सराफा बाजार में है। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भी ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। श्री सराफा एसोसिएशन चौक के सचिव अखिलेश मित्तल के अनुसार, इस दिवाली सीजन में भोपाल का सोना-चांदी कारोबार 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है, जो पिछले साल करीब 100 से 125 करोड़ रुपये के बीच रहा था। ग्राहक पहले से ही अपनी पसंद के गहनों की एडवांस बुकिंग करा रहे हैं। वहीं, कारोबारी राजेश अग्रवाल बताते हैं कि



कीमतों में बदलाव के चलते इस बार भारी गहनों के बजाय एक, दो और तीन ग्राम की लाइटवेट ज्वेलरी तथा चांदी के सिक्कों की जबरदस्त मांग बनी हुई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज पर विशेष ऑफर-परंपरागत खरीदारी के साथ-साथ इस बार इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी बूम देखने को मिल रहा है। एमपी नगर और शहर के प्रमुख शोरूम्स में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव और स्मार्टफोन्स की खरीदारी के लिए मध्यमवर्गीय परिवारों की भीड़ जुटी है। कंपनियों और शोरूम संचालकों द्वारा दी जा रही आकर्षक छूट, आसान किस्तों और एक्सचेंज ऑफर्स ने ग्राहकों के लिए खरीदारी को और सुगम बना दिया है।

धनतेरस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुआ विधिवत पूजन-अर्चन

भोपाल, यश भारत।

धनतेरस के पावन पर्व पर राजधानी भोपाल स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत पूजन अर्चन किया गया। धार्मिक उल्लास और उत्सवी माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। पूजा अर्चना के दौरान प्रदेश की सुख-समृद्धि खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तथा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने विधि-विधान से पूजाक्षअर्चना कर प्रदेश की उन्नति और नागरिकों के जीवन में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक



शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को भी दीपावली की बधाई देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। धनतेरस के अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में उत्सव और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां बांटीं। पारंपरिक धार्मिक आयोजन के साथ कार्यालय परिसर में दीपावली का उत्साह नजर आया।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन 19 एवं 20 नवम्बर को मिनी स्टेडियम बीजापुर में

यश भारत



बीजापुर। बस्तर संभाग के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को निखारने, उन्हे अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने और बस्तर क्षेत्र की जनता को शासन से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2026 का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का आयोजन 19 एवं 20 नवम्बर 2026 को मिनी स्टेडियम बीजापुर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन को सुचारू रूप से संपादित किये जाने हेतु जिला अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है जिनमें से सम्पूर्ण आयोजन के नोडल अधिकारी श्रीमती नम्रता चौबे सीईओ जिला पंचायत बीजापुर, कानून व्यवस्था एवं आवश्यक यातायात, पुलिस बल तैनाती के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर एवं राकेश कुमार साहू अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सम्पूर्ण खेलकूद आयोजन, रैफरी/निर्णायक, खेल सामग्री, पुरूस्कार, फ्लैक्स, आमंत्रण प्रिंटिंग एवं वितरण, अन्य मानव संसाधन के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी आदित्य कुंजाम एवं डीईओ बीजापुर राजेश पांण्डेय, सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्घाटन एवं समापन तथा मंच संचालन जाकिर खान एपीसी जिला शिक्षा कार्यालय बीजापुर, समस्त आयोजन स्थल में मंच, पण्डाल, साउण्ड सिस्टम, बैठक व्यवस्था एवं सम्पूर्ण तैयारी हेतु कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बीजापुर एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग बीजापुर, आयोजन स्थल में लाईट, निर्बाद्ध विद्युत/जनरेटर की व्यवस्था के लिए अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग यांत्रिकी बीजापुर, प्रतिभागियों को भोजन, नास्ता तथा आवासीय बालक/बालिका पृथक-पृथक व्यवस्था के लिए देवेन्द्र सिंह, सहायक आयुक्त आजाकवि बीजापुर, उद्घाटन एवं समापन समारोह में माननीय अतिथियों हेतु स्वल्पहार, सांस्कृतिक कलाकारों हेतु भोजन व्यवस्था जीबीएस रेड्डी जिला मिशन समन्वयक रागाशिमि बीजापुर, समस्त आयोजन स्थल मिनी स्टेडियम एजुकेशन सिटी, बांसागार परिसर में चिकित्सक दल एवं एम्बुलेंस व्यवस्था डॉ. बीआर पुजारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीजापुर, समस्त आयोजन स्थल मिनी स्टेडियम, एजुकेशन सिटी बांसागार परिसर में पेयजल व्यवस्था के लिए कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बीजापुर, समस्त प्रतिभागियों हेतु जिला स्तर पर परिवहन व्यवस्था संनन्त कुमार जांगड़े जिला परिवहन अधिकारी बीजापुर एवं खेमलाल दाता उप संचालक पंचायत बीजापुर, आयोजन का प्रचार-प्रसार, समाचार कवरेज, विडियोग्राफी एवं परिणामों का प्रकाशन के लिए दिनेश कुमार नेताम उप संचालक जनसम्पर्क बीजापुर, दीप प्रज्वलन, रंगोली एवं महिला प्रतिभागियों के सत्कार की व्यवस्था जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बीजापुर, समारोह स्थल में फूलमाला एवं बुके की व्यवस्था सहायक संचालक उद्यान विभाग बीजापुर, आयोजन स्थल मिनी स्टेडियम, एजुकेशन सिटी बांसागार परिस, में साफ-सफाई, पानी टैंकर, डस्टबीन व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बीजापुर एवं अग्निशमन गाड़ियों यंत्र की व्यवस्था के लिए जिला नगर सेनानी बीजापुर को दौयित्व सौंपा गया है।

आलोर में विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 सम्पन्न

कोण्डागांव। विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का समापन समारोह गुरुवार को परछीपारा आलोर में उत्साह एवं उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने फाइनल मुकाबले का टॉस कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विधायक श्री टेकाम ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भी पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ भाग लेने तथा केशकाल क्षेत्र का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। विधायक श्री टेकाम ने कहा कि माओवाद से प्रभावित रहे बस्तर में अब शांति, विश्वास और विकास का नया वातावरण बन रहा है। उन्होंने कहा कि देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त हुआ। अब बस्तर के बच्चे और युवा खेल, शिक्षा एवं अपनी प्रतिभा के माध्यम से नई पहचान बनाएं।

भीमपुरी गांव में युवक ने की आत्महत्या, नीम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव

तखतपुर। बिलासपुर जिले के तखतपुर क्षेत्र के ग्राम भीमपुरी में एक युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 35 वर्षीय आत्माराम नेताम के रूप में हुई है। वह गांव के पूर्व सरपंच का चचेरा भाई बताया जा रहा है। गुरुवार रात आत्माराम का शव गांव में एक नीम के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना पर जूनापारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। फिलहाल युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

विधिक सेवा दिवस से पहले जशपुर के स्कूल में जागरूकता शिविर

जशपुरनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में जशपुर के श्री महावीर दिगंबर जैन हाईस्कूल में 5 नवंबर को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों और विधिक सहायता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश जनार्दन खरे ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा दिवस के महत्व और उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, बाल अधिकार, बाल संरक्षण और शिक्षा के अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इस दौरान महिला सुरक्षा तथा राष्ट्रीय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वावधान में 9 नवंबर 2026 को जिला एवं तालुका स्तर पर विधिक सेवा दिवस का आयोजन किया जाएगा।

धनतेरस पर कोरिया पुलिस ने लौटाई खुशियां, 25 गुम मोबाइल पाकर खिले लोगों के चेहरे



कोरिया। पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में साइबर सेल की बड़ी सफलता, लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये कीमत की 25 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को किए गए सुपुर्द।

धनतेरस का पर्व नई वस्तुओं की खरीदारी, सुख-समृद्धि और खुशियों का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ अवसर पर जहां लोग नए मोबाइल एवं अन्य वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं, वहीं कोरिया पुलिस ने आम नागरिकों को एक अनमोल सौगात देते हुए उनके गुम हुए मोबाइल फोन वापस लौटाकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी।

पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के कुशल निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन में , उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती आशा सेन, एसडीओपी मोहसिन खान, उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर के मार्गदर्शन पर साइबर सेल प्रभारी मोहम्मद तालिब शेख के नेतृत्व में साइबर सेल की टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों एवं सतत प्रयासों से गुम हुए कुल 25 मोबाइल फोन खोजकर बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कुल कीमत लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये है।

धनतेरस के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर द्वारा बरामद किए गए सभी 25 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। लंबे समय से अपने गुम हुए मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों के लिए यह अवसर किसी त्योहार के अनमोल उपहार से कम नहीं था। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने कोरिया पुलिस एवं साइबर सेल की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कोरिया पुलिस का यह प्रयास दर्शाता है कि पुलिस केवल अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर उनके जीवन में खुशियां लौटाने के लिए भी सदैव प्रतिबद्ध है।

इस धनतेरस पर कोरिया पुलिस ने बाजार से खरीदे जाने वाले उपहारों से अलग, लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल फोन वापस लौटाकर खुशियों का अनमोल उपहार दिया।

विश्व मानवाधिकार परिषद छत्तीसगढ़ की टीम ने चरोदा बस्ती में गरीब बच्चों संग मनाई दीपावली, बांटी खुशियाँ



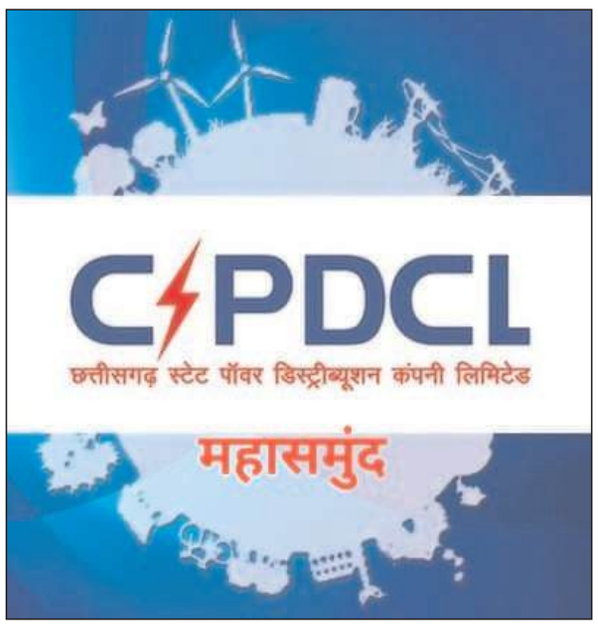
भिलाई/चरोदा। दीपावली के पावन पर्व पर विश्व मानवाधिकार परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा एक बेहद खूबसूरत और आत्मीय पहल की गई। परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष (लीगल सेल) व राष्ट्रीय प्रभारी सुश्री एडवोकेट पायल पुपटानी के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर टीम ने मिलकर जरूरतमंद और गरीब बच्चों के बीच त्योहार की खुशियाँ बांटीं। इस विशेष अभियान के तहत टीम के सदस्यों ने दादर के चरोदा बस्ती में जाकर बच्चों के बीच मिठाई, पटाखे और दीपक का वितरण किया। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर बिखरी मासूम मुस्कान और उनकी आँखों की खुशी ने इस दीपावली को सच में सार्थक और समृद्ध बना दिया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि दिए जलाकर तो हम हर साल अपना घर रोशन करते हैं, लेकिन किसी के जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाना ही त्योहार का असली महत्व और संदेश है। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में विश्व मानवाधिकार परिषद के सभी प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें स्टेट प्रेसिडेंट कुलवंत सिंह जी, सुशील झा, नवल किशोर जी, के. अरुणा और गोपाल सरकार जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बच्चों के साथ समय बिताया और समाज में सेवा का एक अनूठा संदेश दिया।

स्थानीय हुनर से रोशन हो दीपावली, कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा ने खरीदे मिट्टी के दीये और झालर

कोरिया। दीपावली की तैयारियों के बीच कोरिया कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने स्व-सहायता समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल से मिट्टी के दीये और आकर्षक झालर खरीदे। समाज कल्याण विभाग, बैकुंठपुर के सामने लगाए गए इस स्टॉल पर पहुंचकर उन्होंने स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की और जिलेवासियों को भी स्थानीय हुनर से अपना घर रोशन करने का संदेश दिया। कलेक्टर श्रीमती यादव ने जिले एवं नगरवासियों से अपील की कि इस दीपावली स्व-सहायता समूहों और स्थानीय कुम्हार परिवारों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीये खरीदें। स्थानीय उत्पादों की खरीदारी से इन परिवारों की मेहनत को सम्मान और उनकी आजीविका को सहयोग मिलेगा। कलेक्टर ने जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने किसानों और ग्रामीणों सहित सभी नागरिकों से अपील की कि अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की प्रेरणा देने वाले इस पर्व पर जिले के विकास में अपनी भागीदारी का संकल्प लें। सभी के सहयोग और सहभागिता से कोरिया को विकास की हर दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है।

महासमुंद बिजली विभाग के अधिकारियों पर ठेकेदारी और मनमानी के आरोप की शिकायत मुख्यमंत्री से

यश भारत



महासमुंद। जिले के बिजली विभाग के कुछ अधिकारियों पर लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहकर मनमानी करने और विभागीय कामकाज की बजाय ठेकेदारी कराने के आरोप लगे हैं। अखिल भारतीय प्रशासनिक सुधार परामर्शी संगठन के कोरबा क्षेत्रीय कार्यालय ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर शिकायत की है।

संगठन ने अधिकारियों के कार्यकाल की जांच कर नियमानुसार स्थानांतरण और कार्रवाई की मांग की है मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि महासमुंद जिले में सहायक यंत्री और कार्यपालन यंत्री स्तर के कुछ अधिकारी पिछले 10 से 12 वर्षों से एक ही जिले में पदस्थ हैं। आरोप है कि वे विभागीय वेतन लेने के बावजूद ठेकेदारी के रूप में काम कर रहे हैं। संगठन ने दावा किया है कि किसानों को ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने, नए बिजली कनेक्शन देने और विभागीय कार्यों में अनावश्यक देरी की जा रही है। किसानों को ट्रांसफार्मर के 10-12 साल से एक ही जिले में जमे अधिकारियों के खिलाफ मुख्यमंत्री से शिकायत, स्थानांतरण नीति के पालन की मांग मनीष तनेजा अतिरिक्त मुख्य अभियंता जो की मुख्य अभियंता रायगढ़ रायगढ़ रीजन के चार्ज में है,, 20 महीने से लगभग, कोई पोस्टिंग नहीं हुई है मुख्य अभियंता कीज.. तनेजा जी ठेकेदारी का काम कर रहे हैं पूरे रीजन में और किसी की पोस्टिंग होने नहीं दे रहा है ना किसी का प्रमोशन में किसी को रायगढ़ आने दे रहे हैं खुद ही डबल चार्ज में मलाई खा रहे हैं पंचूराम वर्मा कार्यपालन मंत्री वंदे महासमुंद के अंतर्गत पिछले 10 साल से महासमुंद जिले में सहायक यंत्री ,, कार्यपालन यंत्री के अंतर्गत अपनी सेवाएं ठेकेदारी के रूप में दे रहे हैं बिजली बोर्ड में सैलरी ले रहे हैं और काम पूरा ठेकेदारी का कर रहे हैं जिसे पंचराम की काफी शिकायत है किसानों किसानों से बिना पैसे लिए ट्रांसफार्मर नहीं देते, नहीं लगते हैं टाइम पर समय पर ना कनेक्शन देते हैं उनके द्वारा कोई सुविधा सेवा नहीं दे रहे हैं और ट्रांसफार्मर है नहीं करके किसानों को और डिपाजिट कनेक्शन में नहीं देते हैं टाइम पास करते रहते दिन पर फोन उठाते नहीं है दिन भर रायपुर मेंरहते हैं, इधर हूं उधर हूं डिस्कनेक्शन में हूं में हूं बस यही बोलते रहते हैं ऊर्जा विभाग के द्वारा 3 साल का जारी सर्कुलर के अनुसार किसी भी ऊर्जा विभाग से अधिकारी को एक क्षेत्र में नहीं नहीं रखता है रखना है इनके द्वारा 10 साल से, 10 साल से महासमुंद जिले है विधायक भी खुद नाराज है है पूरे क्षेत्र के लोग तरसते हैं किसान भाई सबसे ज्यादा परेशान है आम जनता में आए दिन बिजली व्यवस्था डिस्टर्ब हो गया हो रहा ह है आ गई गई है आए दिन ब्रेकडाउन मेंटेनेंस लाइट बन चालू हो रही विधायक भी खुद नाराज है है पूरे क्षेत्र के लोग तरसते हैं किसान भाई सबसे ज्यादा परेशान है आम जनता में आए दिन बिजली व्यवस्था डिस्टर्ब हो गया हो रहा ह है आ गई गई है आए दिन ब्रेकडाउन मेंटेनेंस लाइट बन चालू हो रही

दुर्ग जिला न्यायालय में शुरू हुआ पुलिस सहायता केंद्र, एफआईआर से लेकर निःशुल्क कानूनी मदद तक मिलेगी जानकारी

दुर्ग,। जिला न्यायालय परिसर में न्यायालय आने वाले आम नागरिकों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए पुलिस सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) शुरू किया गया है। शुक्रवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शेख अशरफप्रथम, कलेक्टर अभिजीत सिंह और डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। इस सहायता केंद्र के माध्यम से न्यायालय में आने वाले पक्षकारों और आम नागरिकों को पुलिस संबंधी सेवाओं तथा कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। यहां एफआईआर की प्रति प्राप्त करने, सम्मन एवं वारंट संबंधी जानकारी, पुलिस सत्यापन और ई-फाइलिंग की प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके अलावा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की जानकारी भी मिलेगी। पुलिस सहायता केंद्र शुरू करने का उद्देश्य न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों को आवश्यक जानकारी और सहायता के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकने से बचाना है। विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद पक्षकारों को यहां पुलिस संबंधी समस्याओं के निराकरण और जरूरी प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शन मिल सकेगा। शुभारंभ कार्यक्रम में तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत कुमार सारथी, चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुनीता टोप्पो, अष्टम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह मरकाम, नवम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश पंकज दीक्षित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने युवा शक्ति ने भरी हुंकार

जिला स्तरीय युवा संसद का भव्य आयोजन

सुकमा। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, लोकतांत्रिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विकसित भारत यूथ लीडर्स डायलॉग-2027 के अंतर्गत गुरुवार को सबरी ऑडिटोरियम, सुकमा में जिला स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। मेरा युवा भारत, सुकमा द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 27 युवा वक्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। युवा संसद का मुख्य विषय 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रहा, जिस पर प्रतिभागियों ने अपने विचारों, तर्कों एवं सुझावों के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अमित कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयंक गुर्जर की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री धनीराम बारसे, नगर पालिका अध्यक्ष श्री हुंगाराम मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। जिला खेल अधिकारी श्री कैलाश कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विचारों, तार्किक क्षमता, विषय की समझ एवं अभिव्यक्ति कौशल के आधार पर उनका मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में शिक्षा सिंह ने प्रथम, शिवम बंसल ने द्वितीय तथा राजेश सरकार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

युवा संसद के दौरान प्रतिभागियों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनावी प्रक्रिया, सुशासन, प्रशासनिक व्यवस्था तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को न केवल अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का मंच मिला, बल्कि उनमें तार्किक चिंतन, संवाद कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत ञ2047 के संकल्प में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। आयोजन की सफलता में रूड्ड क्रद्धड्डह्लड्डह्ल कोऑर्डिनेटर सुश्री रेशमा परवीन, यूथ आइकॉन श्री सुशील मरकाम, पुनर्जीवा यूथ क्लब के सदस्यों एवं रूड्ड क्रद्धड्डह्लड्डह्ल वॉलंटियर्स का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में युवा नागरिक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन एवं मेरा युवा भारत की यह संयुक्त पहल सुकमा के युवाओं को नेतृत्व, संवाद और राष्ट्र निर्माण के अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुई।

पोटेमडगु गांव में एक ही दिन में मिलीं विभिन्न शासकीय ऑनलाइन सेवाएं

ग्रामीणों को घर के नजदीक मिला डिजिटल सुविधाओं का लाभ

एक ही दिन में आधार, जन्म प्रमाण पत्र सहित 22 सेवाएं उपलब्ध



सुकमा। कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कोंटा विकासखंड में स्थित एलमगुंडा पंचायत के अंतर्गत पोटेमडगु गांव में विशेष डिजिटल सेवा अभियान संचालित किया गया। प्रशासन की इस पहल के तहत ग्रामीणों को एक ही दिन में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र चिंतागुफा के माध्यम से ग्रामीणों को उनके आवश्यक दस्तावेज बनवाने की सुविधा गांव के नजदीक उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें इन कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मो. शाहिद ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 22 हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इसमें 10 ग्रामीणों का नया आधार पंजीयन, 10 ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र, 01 आयुष्मान कार्ड तथा 01 वोटर आईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। एक ही दिन में इतनी महत्वपूर्ण सेवाओं का लाभ मिलने से ग्रामीणों को समय और श्रम की बचत के साथ शासकीय प्रक्रियाओं को सहजता से पूरा करने का अवसर मिला। जिला प्रशासन की यह पहल दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नागरिक सुविधाओं को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रशासन का उद्देश्य है कि तकनीक के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव और घर के नजदीक ही आवश्यक शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि विकास की मुख्यधारा से प्रत्येक नागरिक को जोड़ा जा सके।गांव में ही सेवाएं, एक ही दिन में समाधान और ग्रामीणों के समय की बचत– सुशासन एवं डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में सुकमा जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिचायक है।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल

कहीं 2027 एक दिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए



ऑकलैंड (ईएमएस)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ था। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है।

बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे





400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

मुम्बई (यशभारत)। एकदिवसीय रि केट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक रि केट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आ क्रमक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। रि केट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों को भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब रि केट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और जोहान वान डर वाथ ने भी अंत में अहम योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक गेंद शेष रहते 438 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए आज भी एकदिवसीय इतिहास के सबसे यादगार और रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणम बदल सकता है।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तानी न करें : रायुडू

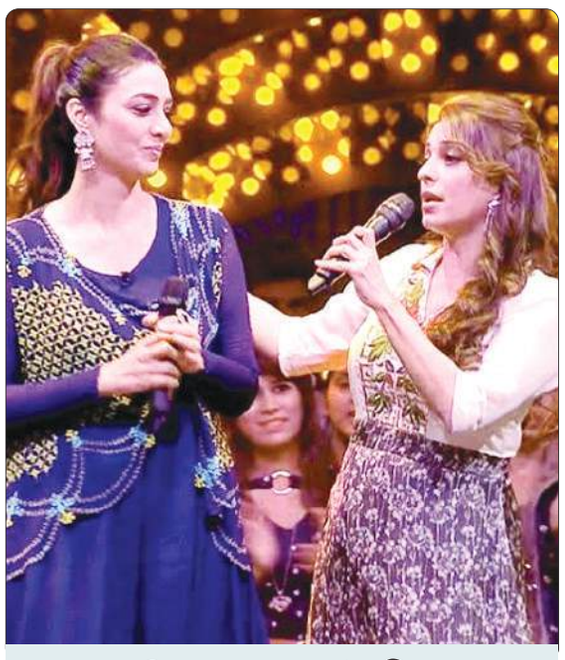


मुम्बई (यशभारत)। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे। रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप

नई दिल्ली (ईमएस)। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

रंग संसार



जूही चावला ने किया तब्बू की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी सहकर्मी और दोस्त तब्बू को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तब्बू की प्रशंसा करते हुए पूछा कि वे समय के साथ हर चीज में इतनी बेहतर कैसे होती जा रही हैं। यह टिप्पणी तब्बू की अभिनय क्षमता और उनकी कालातीत सुंदरता को रेखांकित करती है, जिस पर उनके सहकर्मी भी मोहित हैं। जूही ने तब्बू को गले लगाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तब्बू..!! कुछ लोग बूढ़े होते हैं, कुछ लोग विकसित होते हैंज और फिर आप हैं, जो चुपचाप हर चीज में बेहतर होती जा रही हैं और हमें बताने से इनकार करती हैं कि कैसे.. ढेर सारा प्यार..!! यह संदेश तब्बू की समय के साथ निखरती प्रतिभा और उनकी अद्वितीय उपस्थिति को दर्शाता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा में एक खास मुकाम दिलाती है। कम लोगों को पता होगा कि जूही और तब्बू ने 2001 की कॉमेडी फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया में साथ काम किया था। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा, गोविंदा, चंद्रचूड़ सिंह, जॉनी लीवर, ईशा कोप्पिकर, विनय आनंद और केतकी दवे जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल थे। के. राघवेंद्र राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म वी. शेखर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म विरालुक्केथा वीक्रम का रीमेक थी।

यह उस दौर की एक लोकप्रिय फिल्म थी, जिसमें दोनों अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। तब्बू के 55वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी अगली फिल्म किंग 100 के निर्माताओं ने ड्रामा से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है. जिससे उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। उनकी सह-कलाकार नागार्जुन अक्किनेनी ने भी तब्बू को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं देते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, प्रिय तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

400 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी *रानी चटर्जी*



मुम्बई (यशभारत)। मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने हाल ही में अपना 37वां जन्मदिन मनाया। करीब 400 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी रानी आज एक ऐसा नाम बन गई हैं जो भोजपुरी सिनेमा की पहचान है। लाखों दिलों पर राज करने वाली इस अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी नहीं, बल्कि सबीहा शेख है। सबीहा का जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी यहीं से पूरी की थी। वर्ष 2004 में सबीहा शेख ने फिल्म ससुरा बड़ा पइसावाला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जहाँ उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज तिवारी के साथ स्क्रीन साझा की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और मनोज तिवारी तथा सबीहा शेख की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। फिल्म में एक मंदिर का दृश्य फिल्माया जा रहा था, और कुछ धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्देशकों ने उन्हें अपना स्क्रीन नाम बदलने का सुझाव दिया। इसी पल सबीहा शेख, रानी चटर्जी बन गईं और यह नाम आज भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो चुका है। अपनी पहली फिल्म से मिली अपार सफलता और पहचान के बाद रानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने लगातार एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में काम किया, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में नागिन, देवरा बड़ा सतावेला, गंगा यमुना सरस्वती, रानी नंबर 786, दरिया दिल, रानी बनल ज्वाला, घरवाली बाहरवाली, रियल इंडियन मदर, रानी वेड्स राजा, लेडी सिंघम, दूल्हा नाचा गली गली, श्रीमान श्रीमती, शेरनी, परिणय सूत्र, हां मैंने भी प्यार किया था, और नौकरानी बनी महारानी जैसी फ़िल्में शामिल हैं.





मन तैयार पर शरीर कहता है थोड़ा ठहर जाओः अमिताभ बच्चन

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सेहत, नींद और फिटनेस को लेकर अपने ब्लॉग पर कुछ बहुत ही निजी और मार्मिक बातें साझा की हैं। महानायक ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह एक बार फिर से नियमित रूप से जिम जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनका शरीर पहले जैसी फुर्ती से साथ नहीं दे पा रहा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों उन्हें कभी-कभी रात में नींद आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अमिताभ ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यायाम करने के लिए उनका मन तो पूरी तरह से तैयार रहता है और हाँ कहता है, लेकिन उनका शरीर उन्हें थोड़ा आराम करने का इशारा देता है और रुक जाओ कहता है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में सुबह जल्दी उठने से लेकर अपने दैनिक लेखन के दौरान आने वाली परेशानियों तक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछली रात ब्लॉग पूरा न कर पाने की बात उनके मन में लगातार चलती रही, जिसके चलते वह सुबह जल्दी उठ गए और रात भर उनकी नींद बाधित रही। इसके साथ ही, उन्होंने ब्लॉग लिखते समय अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में आ रही तकनीकी परेशानी भी साझा की और पाठकों से मदद मांगी। उन्होंने लिखा, ब्लॉग लिखते समय अभी भी अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में परेशानी हो रही है। अगर किसी को इसका तरीका पता है तो मुझे समझाएं। मैंने गूगल पर भी देखा, लेकिन वहां दिए गए निर्देश समझ नहीं आए।

हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं : जिया शंकर

मुम्बई (यशभारत)। पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं।



'कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026- अनुदान वितरण प्रक्रिया होगी पूरी तरह पारदर्शी और सरल-विकासशील

'धान खरीदी पोर्टल, एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे को किया जाएगा एकीकृत, किसानों को नहीं देनी होगी बार-बार जानकारी'

यश भारत



रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों को कृषि के क्षेत्र में और अधिक संबल प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार ने तैयारी तेज कर दी है। मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में कृषक उन्नति योजना खरीफ-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के तहत किसानों को आदान सहायता (अनुदान) राशि प्रदान करने की प्रक्रिया, पात्रता के दिशा-निर्देशों और डेटाबेस एकीकरण पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक में मुख्य सचिव विकासशील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन पूरी तरह पारदर्शी, सरल और त्रुटिरहित होना चाहिए। उन्होंने कृषि विभाग के विभिन्न पोर्टलों और धान खरीदी डेटाबेस को आपस में एकीकृत करने पर जोर दिया, जिससे किसानों से बार-बार दस्तावेज या जानकारी मांगने की आवश्यकता न पड़े। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान आईडी, फार्म आईडी और गिरदावरी के आंकड़ों को आपस में जोड़कर किसानों की कुल भूमि और फसल के रकबे की जानकारी का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी विशिष्ट फार्म आईडी की पुष्टि करने तथा योजना के तहत अनुदान हेतु आवेदन करने की सहज सुविधा दी जाए। योजना के सुचारू संचालन हेतु योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य होगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे में संबंधित भूमि पर धान की फसल दर्ज होना आवश्यक है। धान खरीदी प्रक्रिया के अंतर्गत कम से कम एक सफल खरीदी का लेन-देन होना जरूरी है, जिसके लिए खाद्य विभाग के धान खरीदी पोर्टल की जानकारी का उपयोग किया जाएगा। किसानों के हितों की रक्षा और वास्तविक पात्रता सुनिश्चित करने के लिए धान खरीदी के दौरान टोकन जारी करते समय अनुदानित रकबे का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष तौर पर, पिछले वर्ष धान न बेचने वाले किसानों के मामलों में भौतिक सत्यापन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त, बैठक में दलहन, तिलहन और मिलेट्स (कोदो-कुटकी-रागी) की खरीदी व्यवस्था तथा इन फसलों के उत्पादक किसानों को मिलने वाले प्रोत्साहन के संबंध में भी स्पष्ट जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने ग्रामीण अंचलों में योजना की शर्तों और आवेदन प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया ताकि किसी भी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, वित्त एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव सुरीना बाबा साहेब कंगाले, कृषि विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक कृषि राहुल देव, संचालक भू-अभिलेख विनीत नंदवार और प्रबंध संचालक मार्कफेड जितेन्द्र शुक्ला सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ी लोककला और संस्कृति के संरक्षण में प्रांजल सिंह का योगदान सराहनीयः मुख्यमंत्री

Gen Z युवा प्रांजल जैसे कलाकार राज्य की लोकसंस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की मजबूत कड़ी—मुख्यमंत्री

यश भारत



रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला, संस्कृति और पारंपरिक विधाओं को सहेजने तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का एक स्नेहिल पत्र असीम प्रेरणा और खुशियों की सौगात लेकर आया है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रांजल की कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के संरक्षण-संवर्धन के प्रयासों की सराहना किए जाने के बाद से युवा कलाकार बेहद गदगद और भावुक हैं।

सीएम के पत्र में लोककला साधना की सराहना

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में प्रांजल सिंह की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उल्लेख किया है कि उन्होंने भौतिकी (Physics) में स्नातकोत्तर (Post Graduation) शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं को जीवंत रखा है। श्रीमती रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यह कला यात्रा अब अन्य नवोदित साधकों तक भी पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष प्रकाश डाला कि प्रांजल अपनी भरथरी प्रस्तुतियों में गायन के साथ-साथ अभिनय और नृत्य को भी बखूबी स्थान देते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने 'अहिल्या गाथा'की शानदार प्रस्तुति के जरिए लोकविधाओं में कई नए और रचनात्मक प्रयोग किए हैं।

नई पीढ़ी को नि:शुल्क दे रहे हैं प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री साय ने युवा कलाकार द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रांजल %लोकगाथा भरथरी% के माध्यम से नए कलाकारों को पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके अलावा, %आकार' शिविर के जरिए बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक को अपनी कला का ज्ञान बांट रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकार आज विभिन्न मंचों पर अपनी प्रस्तुतियां देकर इस सांस्कृतिक थाती को आगे बढ़ा रहे हैं।

पीएम के आह्वान और तद्दृष्ठ पीढ़ी की भूमिका

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की प्राचीन लोकपरंपराओं और कथावाचन की विविध शैलियों को आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित करने के आह्वान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भरथरी सीखने और सिखाने का प्रांजल का यह सत्प्रयास इसी राष्ट्रीय भावना से मजबूती से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रांजल सिंह को तद्दृष्ठ पीढ़ी के उन होनहार युवाओं में शुमार किया, जिनके कंधों पर छत्तीसगढ़ की लोककलाओं की आगे की गौरवशाली यात्रा टिकी हुई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रांजल सिंह के माता-पिता–पिता कमलेश सिंह एवं माता श्रीमती ममता राजपूत को सादर अभिवादन प्रेषित करते हुए प्रांजल की कला साधना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री की पाती पाकर भावुक हुए प्रांजल

मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर अपनी खुशी साझा करते हुए प्रांजल सिंह ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी की पाती मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने न केवल मेरी कला को बल्कि मेरी शिक्षा को भी सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मेरा मन गदगद हो गया है और यह मेरे जीवन का एक अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे छत्तीसगढ़ी लोककला को और अधिक समर्पित भाव से आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।'



दंतेवाड़ा की माटी से अमेरिका तक बनाई पहचान गणेश कुमार कर ने

सीएम साय ने प्रवासी छत्तीसगढ़िया गणेश कुमार कर को लिखी स्नेह भरी पाती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की माटी से निकलकर सात समंदर पार अमेरिका में अपनी पहचान बनाने वाले छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा जिले के गणेश कुमार कर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्नेह भरा पत्र लिखकर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने विदेश में रहते हुए भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति, भाषा और परंपराओं से जुड़े रहने तथा प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के उनके प्रयासों की सराहना की है। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत पत्र प्राप्त होने पर गणेश कुमार कर ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में कहा कि दंतेवाड़ा से अमेरिका तक की गणेश कुमार कर की यात्रा प्रेरणादायक है। विदेश में व्यस्त जीवन के बावजूद अपनी जन्मभूमि, भाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनका लगाव छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरे अपनत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री ने नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के माध्यम से विदेशों में बसे छत्तीसगढ़ियों को एकजुट करने के कर के प्रयासों की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेश में अपनी बोली सुनने, तीज-त्योहारों को सामूहिक रूप से मनाने और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने से प्रवासी छत्तीसगढ़ियों को अपनी मातृभूमि से जुड़े रहने का अवसर मिलता है।मुख्यमंत्री ने कर द्वारा आयोजित 'स्वदेशी मेला' की पहल को भी सराहनीय बताया।

गन्दगी एवं कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम कर जन- जन को दिया स्वच्छता का सकारात्मक संदेश



यश भारत

रायपुर ।रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर और आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर सभी जोनो के स्वास्थ्य विभाग की टीमो द्वारा जोन कमिश्नरो के मार्गदर्शन में एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में गंदगी कचरा मलबा वाले स्थानो को चिन्हित कर वहां सघन सफाई करवाकर स्व'छता कायम करते हुए स्व'छ भारत मिशन अंतर्गत स्व'छता ही सेवा अभियान अंतर्गत सीटीयू स्व'छता लक्षित ईकाई का विकास कर नागरिको को राजधानी शहर में स्व'छता का सकारात्मक संदेश देने का अभियान निरंतर प्रगति पर है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर निगम जोन 6 स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 क्षेत्र अंतर्गत साबुन डबरा तालाब के समीप, शहीद ब्रिगेडयर उस्मान वार्ड क्रमांक 6× के क्षेत्र main आरडीए कॉलोनी टिकरापारा और महामाया मन्दिर वार्ड क्रमांक 65 के क्षेत्र में पड़े कचरे और गंदगी को सफाई करवाकर कचरा उठाकर स्व'छता कायम करते हुए जन - जन को सुन्दर सकारात्मक स्व'छता संदेश नगर निगम जोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता के मार्गनिर्देशन और जोन 6 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह और जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में दिया गया। जोन 8 द्वारा जोन क्षेत्र में माधवराव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 क्षेत्र अंतर्गत महादेवघाट रायपुरा स्थित सीटीयू स्व'छता लक्षित ईकाई में पसरी भारी गंदगी कचरा काई को विशेष टीम भेजकर अभियान पूर्वक स्वच्छता कायम कर सीटीयू क्षेत्र स्व'छता लक्षित ईकाई क्षेत्र में स्व'छता कायम कर सुन्दर सकारात्मक संदेश दिया गया।

2300 पदों पर नियुक्ति की मांग, शिक्षा मंत्री के बंगले में घुसे D.Ed अभ्यर्थी

रायपुर में परिवार के साथ धरने पर बैठे 60 से ज्यादा अभ्यर्थी; 321 दिन से कर रहे आंदोलन, बोले- तारीख घोषित होने तक नहीं हटेंगे

यश भारत



रायपुर। रायपुर में गुरुवार सुबह D.Ed अभ्यर्थियों ने सहायक शिक्षक के 2,300 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले का घेराव कर दिया। 60 से ज्यादा अभ्यर्थी अपने परिवार के सदस्यों के साथ बंगले के अंदर धरने पर बैठ गए हैं। उनकी मांग है कि सरकार नियुक्ति की तारीख घोषित करे। अभ्यर्थियों ने साफ कहा है कि जब तक तारीख नहीं बताई जाएगी, उनका प्रदर्शन जारी रहेगा।

लंबे समय से नियुक्ति नहीं मिलने से नाराज अभ्यर्थी गुरुवार तड़के मंत्री के बंगले पहुंचे। यहां उन्होंने घेराव कर परिवार के साथ अंदर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन में अभ्यर्थियों के परिजन भी शामिल हैं। बंगले के बाहर और आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिसकर्मी मौके पर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

321 दिनों से कर रहे नियुक्ति का इंतजार-D.Ed अभ्यर्थी पिछले 321 दिनों से सहायक शिक्षक के 2,300 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से प्रदर्शन के बावजूद सरकार ने अब तक नियुक्ति को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लिया है। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने अब शिक्षा मंत्री के बंगले में धरना शुरू किया है।

हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला अभ्यर्थियों का दावा है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद सहायक शिक्षक के 2,300 पद अब तक नहीं भरे गए हैं। वे सरकार से जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने और तारीख घोषित करने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि यह केवल नौकरी का मामला नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य और सम्मान से जुड़ा है।

रायपुर-बिलासपुर समेत 6 जिलों की बिजली व्यवस्था होगी मजबूत, 286 करोड़ की लाइन शुरू

यश भारत



रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली पारेषण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 286 करोड़ रुपए की लागत से तैयार 400 केवी की नई पारेषण लाइन शुरू कर दी गई है। करीब 50.7 किलोमीटर लंबी इस लाइन के चालू होने से रायपुर, बिलासपुर समेत प्रदेश के छह जिलों को फायदा मिलेगा। इससे बिजली पारेषण की क्षमता बढ़ेगी और भविष्य में बढ़ने वाली मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 400 केवी डीसीडीएस क्वाड मूस धरदेही-बिलासपुर पूल (पावरग्रिड-पीजीसीआईएल) पारेषण लाइन को गुरुवार दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर ऊर्जीकृत किया। इस दौरान कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इन 6 जिलों को मिलेगा फायदा- नई पारेषण लाइन से रायपुर, बिलासपुर, मुंगेली, बेमेतरा, कबीरधाम और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलों की विद्युत व्यवस्था को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। इससे नेटवर्क में अधिक बिजली का पारेषण संभव होगा। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ औद्योगिक, व्यावसायिक और कृषि क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों के लिए भी यह ढांचा उपयोगी साबित होगा। रेलवे क्रॉसिंग पर बिना बिजली बंद किए पूरा किया काम

परियोजना के निर्माण में कई तकनीकी चुनौतियां आईं। लाइन के रास्ते में चार जगह दूसरी विद्युत लाइनों की क्रॉसिंग का काम हॉटलाइन पद्धति से किया गया। वहीं रेलवे क्रॉसिंग पर भी बिना पावर ब्लॉक लिए हॉटलाइन स्ट्रिंगिंग तकनीक से तार खींचे गए। इससे संबंधित लाइनों को बंद किए बिना निर्माण कार्य पूरा करना संभव हुआ।

निर्माण के दौरान राइट ऑफ वे यानी मार्गाधिकार से जुड़ी समस्याएं भी आईं। अधिकारियों और तकनीकी टीम के समन्वय से इन चुनौतियों को दूर कर परियोजना पूरी की गई। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, नई लाइन से प्रदेश के विद्युत नेटवर्क की क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मोतीमहल, श्री बीकानेर स्वीट्स और न्यू बजरंग दूध एवं भोग भंडार में खाद्य विभाग की दबिश

तीनों मिठाई प्रतिष्ठानों से कलाकंद, बर्फी, चमचम और पेड़े के 5 विधिक नमूने संग्रहित

दो मिठाई प्रतिष्ठानों को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी, कमियां दूर करने के निर्देश



रायपुर। त्योहारी सीजन में आम नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से रायपुर जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जा रही है। विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने शहर के तीन प्रमुख मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर विभिन्न मिठाइयों के कुल पांच विधिक नमूने संग्रहित किए। निरीक्षण के दौरान दो प्रतिष्ठानों में कमियां पाए जाने पर उन्हें इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के नियंत्रक श्री दीपक कुमार अग्रवाल (आईएएस) ने त्योहारी सीजन को दृष्टिगत रखते हुए जिले में मिठाई दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और विक्रय में संलिप्त प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया जा रहा है।

बैजनाथ पारा के मोतीमहल बीकानेर मिष्ठान भंडार से कलाकंद का नमूना, इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी

खाद्य सुरक्षा टीम ने बैजनाथ पारा स्थित मोतीमहल बीकानेर मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान में विक्रय के लिए रखे गए कलाकंद का विधिक नमूना संग्रहित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में कुछ कमियां पाए जाने पर संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी कर निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए।इसी प्रकार सुंदर नगर स्थित श्री बीकानेर स्वीट्स का निरीक्षण कर कलाकंद बर्फी एवं चमचम के विधिक नमूने संग्रहित किए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए संचालक को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के माध्यम से संबंधित कमियों को दूर कर खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अग्रसेन चौक के न्यू बजरंग दूध एवं भोग भंडार से पेड़ा और कलाकंद के नमूने

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अग्रसेन चौक स्थित न्यू बजरंग दूध एवं भोग भंडार का भी निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान से पेड़ा एवं कलाकंद के विधिक नमूने संग्रहित किए गए। इन नमूनों का परीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की जांच की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संग्रहित सभी पांच विधिक नमूनों को जांच के लिए भेजा जाएगा। नमूनों की परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने तथा संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा इम्प्रूवमेंट नोटिस का जवाब प्रस्तुत किए जाने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विभाग द्वारा खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण और नमूना संग्रहण की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ विस होगी पेपरलेस, NeVA के प्रभावी संचालन के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

यश भारत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यप्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और पेपरलेस बनाने की दिशा में तैयारी तेज हो गई है। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इसमें विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल विधायी प्रक्रियाओं तथा एप्लीकेशन के विभिन्न तकनीकी मॉड्यूल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य विधानसभा के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करना और विधायी प्रक्रियाओं को सरल एवं व्यवस्थित बनाना था। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के हद्दङ्क समन्वयक अमन गौतम और श्रीधर स्वामी ने प्रतिभागियों को एप्लीकेशन के तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान एडमिन मॉड्यूल, प्रश्न मॉड्यूल और समिति मॉड्यूल के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विधानसभा में प्रश्न और सूचनाएं डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत करने, विधायी दस्तावेजों का ऑनलाइन प्रबंधन एवं सुरक्षित रख-रखाव और सदन की कार्यवाही से जुड़ी सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान की प्रक्रिया समझाई गई। इसके साथ ही विभिन्न संसदीय एवं विधायी कार्यों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित करने की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के साथ छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया। राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय की डिजिटल पहल है। इसका उद्देश्य देश की विधानसभाओं को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी से जोड़कर उनके कामकाज को कागजरहित और अधिक पारदर्शी बनाना है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला , मिशन मीडिया (प्रा.लि.) प्लाट नम्बर -9/1 छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स,रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित एवं हॉउस नम्बर 18/303 सेक्टर 27 ,नवा रायपुर ,रायपुर छत्तीसगढ़ -492018 से प्रकाशित। संपादक आशीष कुमाार शुक्लाा सलाहकार संपाादक श्याम कटारे
प्रबंध संपादक अजय क्षत्रे, स्थानीय संपादक अरविंद कुमाार पांडेय मो .-9827117441 RNI-CTHI/26/A5 206 ईमेल -raipuryashbharat@gmail.com (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) , सिटी ऑफिस- आर्ययन टॉवर द्वितीय तल द्रोणाचार्य स्कूल के पास रायपुर, मो .-9111201000 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार रायपुर)